राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 325 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार, 02 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

एनएचआरसी के नए अध्यक्ष अरुण मिश्रा होंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नए अध्यक्ष होंगे। वे बुधवार को पदभार ग्रहण करेंगे। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली समिति ने उनके नाम को मंजूरी दी। एनएचआरसी के अध्यक्ष का पद पिछले छह महीने से खाली था। जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस महेश कुमार मित्तल और आईबी के पूर्व निदेशक डॉ राजीव जैन को एनएचआरसी का सदस्य बनाया गया है।

मराठा समुदाय को आरक्षण का लाभ

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मंत्री नवाब मलिक ने मंगलवार को सूचित किया कि राज्य सरकार द्वारा मराठा समुदाय को आर्थिक पिछड़ा वर्ग में आरक्षण का लाभ देने का आदेश जारी किया गया है। श्री मलिक ने अपने आधिकारिक प्रेस बयान में कहा कि किसी श्रेणी में आरक्षण का लाभ नहीं लेने वाले मराठा समुदाय को ईडब्ल्यूएस में इसका फायदा मिलेगा। श्री मलिक ने यह भी कहा कि आठ लाख वार्षिक आय से नीचे वाले समुदाय के लोगों को इस फैसले से लाभ होगा। मराठा समुदाय के आरक्षण को उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था।

दिल्ली में शराब की होम डिलीवरी को मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी में रहने वाले लोग अब घर पर ही शराब मंगा सकेंगे। इसको लेकर दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केजरीवाल सरकार की ओर से आबकारी नियमों में बदलाव करते हुए शराब की होम डिलीवरी को मंजूरी दे दी गई है। दरअसल कुछ दिन पूर्व ही दिल्ली के आबकारी विभाग ने केजरीवाल सरकार के पास इस बाबत प्रस्ताव भेजा था। दिल्ली सरकार ने शराब की होम डिलीवरी के लिए खास शर्त भी रखी है। वहीं दुकानें होम डिलीवरी कर पाएंगी, जिनके पास एल-13 लाइसेंस होगा। शर्त यह भी है कि शराब की डिलिवरी केवल आवास पर होगी।

डब्ल्यूएचओ ने सिनोवैक बायोटेक को मंजूरी दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को आपातकालीन उपयोग के लिए सिनोवैक कोविड -19 वैक्सीन को मंजूरी दे दी। यह डब्ल्यूएचओ की मंजूरी प्राप्त करने वाला दूसरा चीनी वैक्सीन है।. संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने एक बयान में कहा, डब्ल्यूएचओ ने मंगलवार को आपातकालीन उपयोग के लिए सिनोवैक-कोरोनावैक कोविड -19 वैक्सीन को मान्य किया, जिससे देशों, फंडर्स, खरीद एजेंसियों और समुदायों को यह आश्वासन मिला कि यह सुरक्षा, प्रभावकारिता और निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है।

छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पीएम मोदी ने लिया बड़ा फैसला, सीबीएसई 12वीं परीक्षाएं की रद्द

नई दिल्ली । लंबे वक्त बाद आखिरकार सीबीएसई बोर्ड 12वीं की परीक्षाओं पर फैसला आ गया है। सीबीएसई बारहवीं की परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया है। पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसके मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी कि 1 जून, 2021 को बैठक के दौरान कहा कि , हमारे छात्रों का स्वास्थ्य और सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस पहलू पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच चिंता को समाप्त किया जाना चाहिए। ऐसे में छात्रों को ऐसी तनावपूर्ण स्थिति में परीक्षा देने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं पीएम मोदी के इस फैसले पर दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने खुशी जताई है। उन्होंने परीक्षा रद्द होने के फैसले का सीएम केजरीवाल ने स्वागत करते हुए कहा, मुझे खुशी है कि 12वीं की परीक्षा रद्द कर दी गई है। हम सब बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर काफी चिंतित थे। बड़ी राहत।

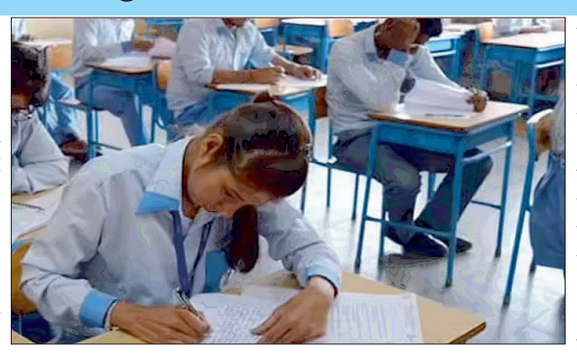

बता दें कि केंद्रीय बोर्डों सीबीएसई और सीआईएससीई की कक्षा 12 की परीक्षाओं के आयोजन पर केंद्रीय मंत्रियों, राज्यों के शिक्षा मंत्रियों एवं शिक्षा सचिवों की 23 मई 2021 को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद केंद्र एवं राज्यों की आम सहमति से 1 जून 2021 तक कोई फैसला लिये जाने की जानकारियां साझा की गयी थीं। हालांकि, केंद्र सरकार की ही तरफ से सोमवार, 31 मई 2021 को उच्चतम न्यायालय में दायर एक जन हित याचिका पर सुनवाई के दौरान 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं पर अंतिम निर्णय लेने के लिए 2 दिनों का समय मांगा गया था। इस मामले की अगली सुनवाई 3 जून 2021 को होनी है।

कोविड-19 महामारी के बीच सीबीएसई, सीआईएससीई के साथ-साथ देश भर के विभिन्न राज्यों के बोर्ड की कक्षा 12 की परीक्षाओं के आयोजन पर 23 मई की बैठक के बाद प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्रीय बोर्ड के साथ-साथ कई राज्य एग्जाम रद्द न किये जाने के पक्ष में दिखे थे। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा सभी राज्यों से अपने अंतिम निर्णय 25 मई तक साझा किये जाने की अपील की गयी थी। हालांकि, दिल्ली, महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों ने परीक्षाओं के किसी भी मोड या फॉर्मेट में आयोजन न किये जाने के सुझाव दिये थे।

दूसरी तरफ, सूत्रों के आधार पर समाचार एजेंसी पीटीआई द्वारा जारी अपडेट के अनुसार सीबीएसई बोर्ड द्वारा कक्षा 12 की परीक्षाओं का आयोजन 15 जुलाई से 26 अगस्त के बीच किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। साथ ही, सीबीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षाओं के रिजल्ट सितंबर में जारी किये जाने की बात की गयी है। सीबीएसई द्वारा इन परीक्षाओं का आयोजन दूसरे विकल्प के अनुसार किया जा सकता है। गौरलतब है कि सीबीएसई ने 23 मई को हुई उच्च स्तरीय बैठक में कक्षा 12 की लंबित परीक्षाओं के लिए दो विकल्प सुझाये थे - पहला, परीक्षाओं का परंपरागत तरीके से निर्धारित केंद्रों पर आयोजन 19 मुख्य विषयों में किया जा सकता है या दूसरा, स्टूडेंट्स के उनके अपने स्कूल में ही कम अवधि की परीक्षा के रूप किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ बोर्ड 12वीं की परीक्षाएं 'होम-बेस्ड' पद्धति से-इन सभी अपडेट से अलग छत्तीसगढ़ बोर्ड द्वारा हायर सेकेंड्री (12वीं कक्षा मुख्य) और हायर सेकेंड्री (12वीं कक्षा व्यावसायिक) की बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन 'होम-बेस्ड' पद्धति से आज, 1 जून से 5 जून 2021 तक किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड भी जारी कर दिये गये हैं। पूरी खबर जानने के लिए नीचे दिये गये लिंक पर जाएं।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, निरर्थक मामले निपटाने में बर्बाद हो रहा कोर्ट का महत्वपूर्ण समय

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि उसके समक्ष बड़ी संख्या में फालतू मामले दाखिल किए जा रहे हैं जिनकी वजह से शीर्ष अदालत का बहुत ज्यादा समय बर्बाद हो जाता है। ये मामले कोर्ट को निष्क्रिय बना रहे हैं। जिस समय में कोर्ट राष्ट्रीय महत्व के किसी मामले का निपटारा कर सकती है उस समय में उसे किसी निरर्थक मामलों को समझने में लगाना पड़ता है।

कोर्ट ने कहा कि फालतू याचिकाओं के कारण से राष्ट्रीय महत्व के मुकदमों की सुनवाई और निपटारे में अनावश्यक विलंब होता है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की विशेष पीठ ने यह टिप्पणी उपभोक्ता विवाद से संबंधित एक अर्जी पर सुनवाई के दौरान की।

पीठ ने कहा कि इस मामले का निपटारा हो चुका है। अंतिम आदेश भी पारित किया जा चुका है। लेकिन याचिकाकर्ता फिर से एक छोटे से मुद्दे पर एक आवेदन के साथ आ गए हैं।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हम पहले से निपटाए गए मामले में एक और आदेश पारित नहीं कर सकते हैं। हमें आपकी बात नहीं सुननी चाहिए। जजों को दिन की शुरुआत होते ही इन फाइलों को देखने के लिए अपना महत्वपूर्ण समय देना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि जजों के पास राष्ट्रीय महत्व के उन मामलों को देखने का समय होना चाहिए, जो वाकई गंभीर मामले हैं। उन्होंने कहा कि मंगलवार को जब हम सूचीबद्ध मामलों को देख रहे थे, तो हमने पाया कि 95 फीसद मामले निरर्थक हैं। सोमवार को हमें कोविड प्रबंधन पर स्वतः संज्ञान मामले में आदेश को अंतिम रूप देना था, जो राष्ट्रीय महत्व का मामला है, लेकिन इसे अपलोड नहीं किया जा सका क्योंकि मेरा समय मंगलवार के लिए सूचीबद्ध मामलों को देखने में निकल गया। पीठ ने कहा कि फालतू मामलों से अदालतों की कार्यक्षमता घट रही है। उनका महत्वपूर्ण व कीमती समय बर्बाद हो जाता है। अदालतें अपने समय का सदुपयोग गंभीर और राष्ट्रीय महत्व के मामलों में कर सकती हैं।

पीठ ने वकील की एक नहीं सुनी

मंगलवार को जिस याचिका पर सुनवाई के दौरान पीठ ने यह सख्त टिप्पणी की उसमें याचिकाकर्ता के वकील ने जब कहा कि वे कोर्ट का ज्यादा वक्त नहीं लेंगे तो पीठ ने कहा कि हम आपको सुनेंगे ही नहीं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू से मुलाकात की।

केंद्र ने अलपन को भेजा कारण बताओ नोटिस

तीन दिनों के भीतर मांगा जवाब

कोलकाता, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंदोपाध्याय को शो काउज नोटिस जारी किया है और उन्हें तीन दिनों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है।

एक दिन पहले ही केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली तलब करने के आदेश को अस्वीकार करते हुए प. बंगाल के तत्कालीन मुख्य सचिव आलापन बंदोपाध्याय ने रिटायरमेंट लेने का फैसला लिया था। इसके बाद ममता बनर्जी ने अलपन बंदोपाध्याय को मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया है।

यास तूफान में उपस्थिति को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बाबत सीएम ममता बनर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अलपन बंदोपाध्याय के तबादले पर पुनर्विचार की अपील की थी।

डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 के तहत दिया नोटिस

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार के रूप में काम करने वाले अलपन बंदोपाध्याय से डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 के तहत शोकॉज पूछा गया है। उन्हें तीन दिन की मोहलत देते हुए यह भी जवाब देने को कहा गया है कि उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए? इसके पहले सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल के मुख्य सचिव रह चुके अलपन बंदोपाध्याय को अपना मुख्य सलाहकार नियुक्त किया है।

केंद्र के निर्देश के बावजूद नहीं गए थे दिल्ली

बता दें कि अलपन बंदोपाध्याय को सोमवार को दस बजे दिल्ली में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया था। वो दिल्ली नहीं गए और सोमवार को रिटायर हो गए। अलपन बंदोपाध्याय को तीन महीने के लिए एक्सटेंशन भी मिला था। एक तरफ अलपन बंदोपाध्याय रिटायर हुए, दूसरी तरफ उन्हें ममता बनर्जी ने तीन साल के लिए सीएम का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया।

चार साल से पाक जेल में बंद भारतीय इंजीनियर लौटा घर

हैदराबाद, (एजेंसी)। चार साल पहले पाकिस्तान में प्रवेश करने वाले हैदराबाद निवासी युवा आइटी इंजीनियर को पड़ोसी देश ने सजा की अवधि पूरी होने के बाद रिहा कर दिया। उसे वापस हैदराबाद लाया गया है।

साइबराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जानार ने बताया कि 32 वर्षीय वैंदम प्रशांत समेत एक अन्य को पाक की बहावलपुर पुलिस ने अप्रैल 2017 में बिना किसी वैध दस्तावेज के सीमा पार करते हुए गिरफ्तार कर लिया था। बाद में उसका एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें उसने बताया था कि वह पाकिस्तान की जेल में बंद है। वह अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने स्विट्जरलैंड जाना चाहता था। प्रशांत जब घर नहीं लौटा तो उसके पिता बाबू राव ने माधापुर थाने में उसके लापता होने की शिकायत दर्ज करा दी।

वीडियो के बारे में पता चलने पर बाबू राव ने पुलिस आयुक्त से संपर्क किया। उन्होंने प्रशांत की वापसी के लिए राज्य सरकार तथा विदेश मंत्रालय को लिखा। सज्जानार ने मीडिया को बताया, सजा की अवधि खत्म होने पर पाक ने प्रशांत को अटारी सीमा पर सोमवार को भारतीय इमिग्रेशन प्राधिकारियों को सौंप दिया।

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत गुजरात को केंद्र सरकार से 852. 65 करोड़ रुपए जारी

अहमदाबाद । राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत गुजरात को केंद्र सरकार ने पहली किस्त के रूप में 852. 65 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। वर्ष 2021-22 के लिए केंद्र में जल जीवन मिशन के तहत 3411 करोड़ रुपए गुजरात को आवंटित किए हैं। मार्च 2022 तक 10 लाख घरों को नल से जल योजना से जोड़ने की योजना है। वर्ष 2022 के आखिर तक प्रदेश के सभी घरों को नल से जल योजना के तहत जोड़ लिया जाएगा। इस योजना के तहत 2019-20 में 390 करोड़ 2020-21 में 883 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। वर्ष 2021-22 के लिए केंद्र ने गुजरात के लिए करीब 3411 रुपए का प्रावधान किया है जिसकी पहली किस्त के रूप में 852.65 करोड़ रुपए आवंटित कर दिए गए।

जल मंत्रालय की ओर से नेशनल जल जीवन मिशन के तहत यह राशि आवंटित की गई। जेल मंत्रालय के मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुजरात में घर घर नल से जल पहुंचाने के लिए इस राशि का आवंटन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 में इस परियोजना की शुरुआत की थी। गुजरात के 18000 गांव में से 5900 गांव को इस योजना के तहत नल से जल पहुंचाया जाएगा। राज्य के 5 जिलों में सौ फीसदी घरों में नल से जल की आपूर्ति की जा रही है।

राज्य की 29754 ग्रामीण स्कूलों में तथा 46279 आंगनबाड़ी में नल से जल की सुविधा दी जा रही है। योजना के तहत गैर सरकारी संगठन तथा स्वयंसेवी संस्थान को भी जोड़ा जाएगा। राज्य में वॉटर एंड सैनिटेशन मैनेजमेंट ऑर्गेनाइजेशन योजना को मूर्त रूप देने में अहम भूमिका निभा रहा है।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर केस में हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए आयातित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पर लगाए गए एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) को असंवैधानिक घोषित करने के फैसले पर मंगलवार को रोक लगा दी।

जस्टिसद्वय डीवाई चंद्रचूड़ व एमआर शाह की अवकाशकालीन खंडपीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ केंद्रीय वित्त मंत्रालय की अपील की सुनवाई करते हुए यह रोक लगाई। दिल्ली हाईकोर्ट ने व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयातित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पर लगाए गए आईजीएसटी को असंवैधानिक घोषित किया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई में केंद्र की ओर से पेश हो रहे एटर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने दलील दी कि हाईकोर्ट ने अपने फैसले के जरिये बड़ा घेरा डाल दिया है। कोर्ट के यह पूछने पर कि केंद्र ने पहले ही सरकारी एजेंसियों द्वारा आयातित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के लिए आईजीएसटी से छूट दी है। इस प्रकार की छूट का उद्देश्य सरकारी एजेंसियों द्वारा आयातित कॉन्सेंट्रेटर को गरीब और जरूरतमंद लोगों में वितरित करना था। नजी रूप से आयातित कंसंट्रेटर के लिए ऐसा कोई उद्देश्य नहीं है। खंडपीठ ने कहा कि वित्त मंत्रालय ने अपनी याचिका में तार्किक सवाल उठाए हैं।

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की स्वास्थ्य सचिव से अपील, छात्रों के लिए कोविशील्ड डोज का अंतर हो कम

मुंबई । देश में बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण की 27,80,058 वैक्सीन लगाई गईं, जिसके बाद कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा 21,60,46,638 तक पहुंच गया है। कोविशील्ड वैक्सीन की दो खुराक के बीच की अवधि को चार से छह सप्ताह से बढ़ाकर छह से आठ सप्ताह कर दिया गया था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 12 से 15 सप्ताह कर दिया गया है। इसे बारे में राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण को पत्र लिखा है जिसमें विदेश यात्रा करने वाले छात्रों के लिए कोविशील्ड वैक्सीन की दो खुराक के बीच के 12-16 सप्ताह के अनिवार्य अंतराल को कम करने की अपील की है।

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि महाराष्ट्र ने आगे की पढ़ाई के लिए विदेश यात्रा पर जाने वाले छात्रों के लिए वैक्सीनेशन शुरू कर दिया है। लेकिन ICMR द्वारा 12-15 सप्ताह के अनिवार्य अंतराल के कारण दूसरी खुराक को लेकर आशंका बनी हुई है। इसी अंतर को कम करने के लिए पत्र के माध्यम से स्वास्थ्य सचिव से अपील की गई है। गौरतलब है कि बीते सप्ताह यूरोपीय संघ के 37 देशों ने गैर-श्व देशों के विजिटर्स पर पाबंदियों में छूट देने का ऐलान किया।

पीएम केयर्स फंड से मदद पर कोर्ट ने मांगी जानकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र से 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन' योजना का विवरण मुहैया कराने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 मई को कोरोना में अनाथ बच्चों के लाभ के लिए इसकी घोषणा की थी। कोर्ट ने कहा है कि एएसजे ऐश्वर्या भाटी ने उक्त योजना का विवरण दाखिल करने का बीड़ा उठाया है, जिसमें लाभार्थियों की पहचान व इसकी निगरानी के लिए अपनाए जाने वाले तंत्र शामिल हैं।

ऐसा भी प. बंगाल विस चुनाव के लिए दिया था सांसद जी ने इस्तीफा, पर हार गए , अब

राज्यसभा के लिए फिर स्वपन दासगुप्ता नॉमिनेट

नई दिली, (एजेंसी)। पूर्व राज्यसभा सांसद स्वपन दास गुप्ता को एक बार फिर से राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया गया है। दास गुप्ता ने मार्च महीने में बीजेपी की ओर से बंगाल चुनाव लड़ने के लिए राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, बतौर राज्यसभा सांसद उनका कार्यकाल भी जल्द ही खत्म होने वाला था। सरकारी नोटिफिकेशन के अनुसार, स्वपन दास गुप्ता को फिर से राज्यसभा के लिए नामित कर दिया गया है।

भारत के राजपत्र में जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 80 के खंड (1) के उपखंड (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लेख के खंड (3) के साथ पठित, राष्ट्रपति स्वपन दासगुप्ता को फिर से नामित करते हैं। यह सीट उनके शेष कार्यकाल यानी 24.04.2022 तक के लिए उनके इस्तीफे के कारण खाली हो गई थी। 16 मार्च को, दासगुप्ता ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में तब इस्तीफा दे दिया था, जब बीजेपी ने उन्हें तारकेश्वर विधानसभा क्षेत्र से अपने उम्मीदवार के रूप में घोषित किया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री राम जेठमलानी के बेटे महेश जेठमलानी राज्यसभा के लिए नामित

राष्ट्रपति ने वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। राष्ट्रपति कोविंद ने मनोनीत किया है। महेश जेठमलानी को मूर्तिकार और पूर्व सांसद रघुनाथ महापात्रा की रिक्त हुई सीट पर नामित किया गया है। रघुनाथ महापात्रा का हाल ही में कोरोना से निधन हो गया था। मशहूर वकील महेश जेठमलानी ने कहा है कि उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किए जाने की सूचना मिली है। महेश जेठमलानी मशहूर वकील राम जेठमलानी के बेटे हैं। राम जेठमलानी भी राज्यसभा सदस्य रह चुके थे। इसके अलावा वह कई बड़े मामलों में पैरवी कर चुकें है। बता दें कि महेश जेठमलानी की गिनती देश के महंगे वकीलों में होती है। महेश जेठमलानी को दिवंगत सांसद रघुनाथ महापात्रा के खाली हुए पद पर नामित किया गया है। राज्यसभा सांसद के तौर पर जेठमलानी का कार्यकाल मई 2024 तक रहेगा।

रामदेव के खिलाफ देशभर में रेजीडेंट चिकित्सकों ने मनाया 'काला दिवस'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऐलोपैथी के संबंध में योग गुरु रामदेव की टिप्पणी से आहत दिल्ली के कई अस्पतालों के रेजिडेंट चिकित्सकों ने मंगलवार को राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत प्रदर्शन शुरू किया। चिकित्सकों की मांग है कि या तो रामदेव बिना शर्त माफी मांगें या उनके खिलाफ महामारी रोग अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने प्रदर्शन का आह्वान 29 मई को किया था और इस बात पर जोर दिया था कि आंदोलन के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होने दी जाएंगी। दिल्ली के रेजिडेंट चिकित्सकों ने काली पट्टियां और रिबन पहनकर प्रदर्शन किया। फोर्डा के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रामदेव की टिप्पणियों के विरोध में हमारा प्रदर्शन मंगलवार सुबह शुरू हुआ। वह तो ऐलोपैथी के बारे में बोलने तक की योग्यता नहीं रखते हैं। इससे चिकित्सकों का मनोबल प्रभावित हुआ है हमारी मांग है कि वह सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगे, अन्यथा महामारी रोग अधिनियम के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

एम्स, सफदरजंग अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज-अस्पताल, हिंदूराव अस्पताल, संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, आंबेडकर अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) इस आंदोलन में शामिल हो चुके हैं तथा कुछ अन्य भी शामिल होने वाले हैं।

सुशील कुमार पर कसा शिकंजा, आर्म्स लाइसेंस भी सस्पेंड

सागर राणा हत्याकांड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने छत्रसाल स्टेडियम में हुई 23 वर्षीय सागर राणा की हत्या के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी ओलंपिक पदक विजेता अंतर्राष्ट्रीय पहलवान सुशील कुमार पर शिकंजा और कस दिया है। पुलिस ने सुशील कुमार के आर्म्स लाइसेंस को सस्पेंड कर दिया है और लाइसेंस विभाग ने इसे रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं आईटी एक्ट के उल्लंघन पर केस दर्ज किया गया है। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने बीते शनिवार को सुशील कुमार और उसके साथी अजय बक्करवाला की पुलिस रिमांड अवधि चार दिन और बढ़ा दी थी। इस हत्याकांड में अब तक सुशील कुमार समेत कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कनाडा के एक स्कूल मिली सैकड़ो कब्र

दशकों पुराने बोर्डिंग स्कूल में मिले 215 बच्चों के शव, इनमें 3 साल के मासूम भी शामिल; ट्रूडो बोले- ये इतिहास की शर्मनाक याद, ठोस कार्रवाई करेंगे

टोरेंटो। कनाडा में दशकों पुराने एक बोर्डिंग स्कूल के परिसर में 215 आदिवासी समुदाय के बच्चों की कब्र मिली है। इनमें तीन साल के मासूम बच्चों के शवों के अवशेष भी है। इसपर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि 'इसने मेरा दिल तोड़ दिया। ये हमारे इतिहास की शर्मनाक यादों में से एक है। इस खबर से प्रभावित सभी लोगों के बारे में सोच रहा हूं। हम आपके साथ हैं। इस मसले पर ठोस कार्रवाई करेंगे'

जिन बच्चों के शव पाए गए हैं, वे सभी 1978 में बंद हुए

कैम्लूप्स इंडियन रेजिडेंशियल स्कूल के छात्र थे। ये कनाडा के सबसे बड़े बोर्डिंग स्कूलों में से एक था, जो 1890 से 1969 तक चलता था। इसके बाद कनाडा सरकार ने कैथोलिक चर्च से इसका संचालन अपने हाथों में ले लिया था। रडार मशीन की मदद से इन शवों के बारे मे पता लगाया गया है।

कनाडा सरकार इस घटना पर मांग चुकी माफी

इससे पहले कनाडा सरकार ने 2008 में इस घटना के लिए माफी मांगी थी। फर्स्ट नेशन के प्रमुख, टेमलप्स टी क्रपेमसी ने कहा कि हम कोरोनर ऑफिस के साथ इस मसले पर काम कर रहे हैं। जिन समुदाय के बच्चे इस स्कूल में पढ़ते थे, उनके संपर्क में हैं। हम जल्द इसके नतीजे तक पहुंच जाएंगे। कैम्लूप्स शहर की चीफ ऑफ कम्युनिटी रोजने कासिमिरी का कहना है कि हम इसकी जांच करने में सक्षम हैं। हमें इसकी जानकारी थी। हमारे पास जवाब से ज्यादा सवाल हैं।

क्या है पूरा मामला

यहां के बोर्डिंग स्कूलों में बच्चों को उनके परिवारों से अलग कर दिया जाता था। ये एक तरह का सांस्कृतिक नरसंहार था। इसको लेकर ट्रूथ एंड रिकंसिलिएशन कमीशन ने पांच साल पहले स्कूल संस्थान में हुए बच्चों पर अत्याचार पर एक रिपोर्ट भी दी थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि अत्याचार और लापरवाही से 3200 बच्चों की मौत हुई थी। इसमें कैम्लूप्सस्कूल मे 1915 से 1963 के बीच 51 मौत हुई थी। रिपोर्ट्स में इस तरह के बोर्डिंग स्कूल में 1.50 लाख बच्चों के शारीरिक उत्पीड़न, रेप, कुपोषण और अन्य अत्याचार की बात सामने आई थी। इस तरह के बोर्डिंग स्कूल 1840 से 1990 के दशक तक ओटावा ईसाई चर्च संचालित करते थे। रिपोर्ट में बोर्डिंग स्कूलों में 4100 बच्चों की मौत की बात सामने आई थी। इसमें कैमलूप्स स्कूल में मिले बच्चों के आंकड़े शामिल नहीं थे।

पाक में कोरोना वैक्सीन फाइजर को मंजूरी, 12 साल के बच्चों को भी वैक्सीनेशन का प्लान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वैक्सीन फाइजर को आपातकाल इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है। अब यहां 12 साल के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की वैक्सीनेशन की योजना है।पाकिस्तान ने अभी तक 6 कोरोना वैक्सीन को इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी है। इसमें चीन की तीन वैक्सीन- सीनोफार्म, कैन्सिनो और सीनोवैक है, रूस की स्पुतनिक वी व ब्रिटेन की एस्ट्राजेनेका के साथ अब फाइजर भी शामिल हो गया है।

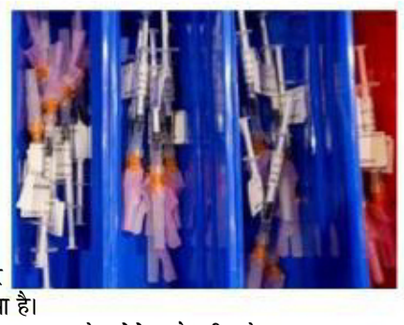

पाकिस्तान में फाइजर के कोरोना वैक्सीन के आपातकाल इस्तेमाल को मंजूरी दे दी। इसके बाद यहां के लोगों को इसकी खुराक मिल सकेगी। ड्रग्स रेगुलेटरी रजिस्ट्रेशन बोर्ड ने 12 साल की उम्र से अधिक के सभी लोगों को इस वैक्सीन की खुराक देने की अनुमति दी है। इसके बाद पाकिस्तान में बच्चों को मिलने वाली यह पहली वैक्सीन है । अधिकारियों ने बताया, ये वैक्सीन गर्भवती महिलाओं समेत कम इम्युनिटी वाले लोगों को भी दी जा सकेगी। इसके अलावा हज पर जाने वाले 40 साल से अधिक उम्र के श्रद्धालुओं को भी ये वैक्सीन दी जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कोवैक्स फैसिलिटी के तहत 100,000 से अधिक फाइजर वैक्सीन की खुराक की खेप पाकिस्तान को मिली।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने दी चेतावनी, ब्रिटेन कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के प्रारंभिक चरण में

लंदन। ब्रिटिश सरकार को परामर्श दे रहे भारतीय मूल के एक मशहूर वैज्ञानिक ने चेतावनी दी है कि ब्रिटेन कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के प्रारंभिक चरण में है और तीन चौथाई नए मामलों में कोरोना वायरस का वह वैरिएंट मिला है जो भारत में सामने आया। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री बोरिस जानसन से 21 जून से लॉकडाउन हटाने की योजना कुछ हफ्ते टालने की अपील की है। बीबीसी ने खबर दी कि सरकार के न्यू एंड इमर्जिंग रेस्पिरेटरी वायरस थ्रेट एडवाइजरी ग्रुप (नर्वटैग) के सदस्य और कैंब्रिज विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रवि गुप्ता ने कहा है कि वैसे तो नए मामले अपेक्षाकृत कम हैं, लेकिन कोरोना के बी.1.617 वैरिएंट ने (संक्रमण के) तेजी से बढ़ने की आशंका को बल दिया है। ब्रिटेन में लगातार पांचवें दिन कोरोना के 3,000 से अधिक नए मामले सामने आए थे। इससे पहले ब्रिटेन ने 12 अप्रैल के बाद यह आंकड़ा पार नहीं किया था। देश में कोरोना के कुल मामले 44,99,939 तक पहुंच गए हैं और अब तक 1,28,043 मरीजों ने जान गंवाई है। प्रो. गुप्ता ने कहा, फिलहाल मामले तो कम हैं, लेकिन सभी लहरें कम आंकड़े से ही शुरू होती हैं। बाद में वे विस्फोटक हो जाती हैं, इसलिए यह अहम तत्व है कि हमें यहां जो दिख रहा है वह शुरुआती लहर है।

डब्ल्यूएचओ को अब ज्यादा शक्तियां देने की तैयारी, भविष्य में किसी महामारी को काबू करना होगा आसान

जेनेवा। कोविड-19 महामारी से मुकाबले के लिए जूझ रहा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) अपनी संरचना में बदलाव के सुझावों पर विचार के लिए तैयार हो गया है। महामारी से निपटने को लेकर विवादों में आए डब्ल्यूएचओ की संरचना में बदलाव के लिए ये सुझाव स्वतंत्र विशेषज्ञों ने दिए हैं। इन सुझावों में संगठन को ज्यादा शक्तियां देने की सिफारिश की गई है। संरचना और समझौते की शर्तों में बदलाव के लिए प्रस्ताव यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने पेश किया था। कोविड के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस से अभी तक 17 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके है और इनमें से लगभग 37 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ के 194 सदस्य देशों के स्वास्थ्य मंत्री 29 नवंबर को बैठक करके तय करेंगे कि संगठन का ढांचा किस तरह से प्रभावी बनाया जाए जो भविष्य में किसी अन्य महामारी के आने पर सक्षम तरीके से उसका सामना कर सके।

गलवन घाटी में सैन्य झड़प पर सवाल उठाने वाले छात्र की दुबई में गिरफ्तारी के मामले की जांच करेगा चीन

बीजिंग। चीन ने कहा है कि गलवन घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प के बारे में चीन के आधिकारिक इंटरनेट मीडिया में सवाल उठाने वाले एक 19 वर्षीय छात्र की दुबई में गिरफ्तारी के मामले की वह जांच करेगा। उसे चीन से अमेरिका जाने के रास्ते में गिरफ्तार कर बाद में रिहा कर दिया गया था। दुबई से मिली मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांग जिंग्यू अमेरिका का स्थायी निवासी है। उसे चीन से इस्तांबुल (तुर्की) जाने के रास्ते में संयुक्त अरब अमीरात के प्रशासन ने इस साल अप्रैल में गिरफ्तार किया था। उसने अंतरराष्ट्रीय मीडिया से मदद मांगते हुए 20 मई को एक संदेश दिया। चीन से निकलने के बाद उसे दुबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उसे तब गिरफ्तार किया गया था ।

पिंजरे और जंजीरों में कैद बचपन

सीरिया के शरणार्थी शिविर में 6 साल की नहला भूखी थी, खाने की जल्दबाजी में दम घुटने से हुई मौत

लेबनान। नहला अल ओथमान, जंजीरों में जकड़ी दिख रही 6 साल की इस बच्ची का यही नाम है। वह कुपोषण का शिकार थी। जल्दी-जल्दी खाने के दौरान गला चोक हो जाने की वजह से उसकी मौत हुई। बहुत छोटे से जीवन में नहला ने बहुत संघर्ष देखा और सहा। युद्ध के चलते राहत कैंपों में आए सीरियाई लोगों से भरे एक कैंप में वह अपने पिता के साथ रहती थी। सीरिया के रिफ्यूजी कैंप में पिता उसे दिन में अक्सर बांध कर रखते थे ताकि वह कहीं भटक न जाए। रात में भी उसे एक पिंजरे नुमा बिस्तर मिलता।

कैंप सुपरवाइजर हिशाम अली उमर बताते हैं, 'हमने कई बार बच्ची के पिता से उसे जंजीरों से मुक्त करने और पिंजरे में न रखने के लिए कहा लेकिन वह हमेशा मना कर देता था। इसी महीने जल्दी खाने के दौरान दम घुटने से उसकी मौत हो गई।' नहला की जब जंजीरों में जकड़ी तस्वीर बाहर आई थी, तो हंगामा मच गया और सीरिया के उत्तर में

स्थित शिविरों में रह रहे लाखों लोग कितनी मुश्किल में है, इस तस्वीर के जरिए ही दुनिया ने देखा था। उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया गया था।

नहला अपने परिवार के साथ उत्तर पश्चिमी सीरिया के विद्रोहियों के कब्जे वाले हिस्से में स्थित फरजल्लाह शिविर में रहती थी। वहां लोग बम-गोली के डर में रहते हैं। खासकर बच्चों के लिए इन कैंपों में स्थितियां लगातार मुश्किल होती जा रही हैं। कई-कई दिनों तक इन कैंपों में खाना नहीं मिलता, जिससे कुपोषण की दर बढ़ती जा रही है। नहला भी उसी का शिकार हुई।

इजरायल में सियासी उलटफेर

सबसे लंबे समय तक पीएम रहे बेंजामिन नेतन्याहू को हटा विपक्ष बनाएगा सरकार

नफ्ताली बेनेट होंगे नए प्रधानमंत्री

इजरायल। हाल ही में हमास के साथ जंग लड़ चुका इजरायल अब सियासी जंग लड़ रहा है। वहां राजनीति ने ऐसा मोड़ ले लिया है, जिसने देश में सबसे लंबे समय तक पीएम रहे बेंजामिन नेतन्याहू को हाशिए पर धकेल दिया है। दरअसल, हयामिन हेहादाशी पार्टी के प्रमुख और राष्ट्रवादी नेता नफ्ताली बेनेट ने विपक्ष और मध्यमार्गी पार्टी येश अतिद के प्रमुख यायर लैपिड के साथ गठबंधन सरकार बनाने का ऐलान कर दिया है।

अलग-अलग विचारधारा वाली 8 छोटी पार्टियों के बीच गठबंधन: बेनेट 2019-20 में रक्षा मंत्री रहे, जबकि टीवी एंकर और पत्रकार से नेता बने यायर 2013-14 में वित्त मंत्री रह चुके हैं। मौजूदा स्थिति में बेनेट की पार्टी के बिना कोई भी सरकार नहीं बन सकती, इसलिए वे किंगमेकर बने हुए हैं। हालांकि सियासी पैंतरेबाजी किसी समझौते पर पहुंचती है, तो यह अलग-अलग विचारधारा वाली 8 छोटी पार्टियों के बीच एक असहज गठबंधन होगा। क्योंकि इसमें वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं।

प्रधानमंत्री का पद भी दो दावेदारों के बीच घूमता रहेगा- एक बेनेट और दूसरे यायर लैपिड। दोनों के बीच हुए समझौते के मुताबिक बेनेट 2023 तक पीएम रहेंगे और लैपिड विदेश मंत्री। बाद में लैपिड 2025 के चुनाव तक पीएम रहेंगे।

तंगहाली में पाक:22 हजार करोड़ रुपए कर्ज माफ करने से चीन का इनकार; चीन-पाक कॉरिडोर के तहत दिया था कर्ज

बीजिंग। पाकिस्तान को उसके सबसे करीबी दोस्त चीन ने तगड़ा झटका दिया है। चीन ने तंगहाली से गुजर रहे और दिवालिया होने की कगार पर खड़े पाकिस्तान का कर्ज माफ करने से इनकार कर दिया है। दरअसल, इमरान खान सरकार ने चीन से चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के तहत दिया गया 300 करोड़ डॉलर (करीब 22 हजार करोड़ रुपए) का कर्ज माफ करने की गुजारिश की थी, जिसे चीन ने नकार दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता था कि चीन सीपीईसी के तहत बने एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए दिए गए कर्ज को

माफ कर दे और उसकी रीस्ट्रक्चरिंग भी कर दे। लेकिन चीन ने इससे साफ मना कर दिया है। अब कर्ज के बोझ तले दबे पाकिस्तान पर डिफॉल्ट होने का खतरा मंडरा रहा है।

पाक पर 22 लाख करोड़ रु. का कर्ज, जीडीपी का 109फीसदी

पाकिस्तान पर दिसंबर तक करीब 29,400 करोड़ डॉलर (करीब 22 लाख करोड़ रु.) का कर्ज था। यह उसकी जीडीपी का 109फीसदी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, 2023 के अंत तक यह अनुपात 220फीसदी तक हो सकता है। तब इमरान सरकार के 5 साल भी पूरे होंगे। इमरान ने चुनावों में वादा किया था कि ऐसा पाकिस्तान बनाएंगे, जो दुनिया से कर्ज के लिए भीख नहीं मांगेगा।

अमेरिका में कोरोना वैक्सीन लेने वालों को दिए जा रहे लुभावने उपहार

वॉशिंगटन। अमेरिका भर के शहरों व राज्यों में कोरोना वैक्सीनेशन के लिए जागरुकता फैलाने का काम हो रहा है। इस क्रम में लुभावने ऑफर की शुरुआत हुई है ताकि अधिक से अधिक लोग वैक्सीनेशन कराएं। वैक्सीन की खुराक लेने वालों को लॉटरियां, धनराशि समेत अनेकों इंसेंटिव की पेशकश की गई है। 10 लाख रुपये की रकम से लेकर गर्वनर के साथ डिनर तक का ऑफर दिया जा रहा है। दरअसल अप्रैल और मई में वैक्सीनेशन की दर में गिरावट देखी गई इसलिए राज्यों ने अपने टीकाकरण अभियान को मजबूत बनाने के लिए यह प्रयास किया है। कोविड-19 प्रतिक्रिया के लिए व्हाइट हाउस के सीनियर एडवाइजर एंडी स्लाविट्ट ने कहा, वैक्सीनेशन के प्रति लोगों के बीच जागरुकता लाने के क्रम में हमने राज्यों से अपनी रचनात्मक कौशल के जरिए कदम उठाने को प्रोत्साहित किया है ताकि जल्द से जल्द देश वापस सामान्य हालात में हो जाए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्य के अनुसार 4 जुलाई तक 160 मिलियन अमेरिकियों का वैक्सीनेशन हो जाना है और कम से कम 70 फीसद लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक खुराक मिल जानी चाहिए।

न्यूजीलैंड: कैंटरबरी क्षेत्र में बाढ़ के बाद स्टेट इमरजेंसी की घोषणा, बचाव में जुटी सेना और हेलीकॉप्टर

लंदन। ब्रिटेन में गत दिवस साल का सबसे गर्म दिन रहा। तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। तपती गर्मी से बचने के लिए 40 लाख लोग छुट्टी मनाने समुद्री तटों और पर्यटन स्थलों पर पहुंच गए। आलम यह रहा कि ज्यादातर जगहों पर पार्किंग फुल रही। लोगों को गाड़ियां खड़ी करने के लिए दो-दो घंटे इंतजार करना पड़ा। इतना ही नहीं कई लोगों ने पार्किंग में ही छुट्टी का लुत्फ उठाया। ब्रिटिश मौसम विभाग के मुताबिक, ब्रिटेन में आमतौर पर मई-जून का तापमान 14 से 18 डिग्री तक रहता है। लेकिन रविवार को कई दशकों के बाद तापमान में बदलाव देखा गया। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जून के पहले सप्ताह में तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच सकता है। दूसरी ओर, ब्रिटेन में ये भीड़ तब जुट रही है, जब वहां कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। इधर, ब्रिटेन में नया वैरिएंट सामने आने के बाद 27फीसदी केस और 43त मौतें बढ़ गई हैं। इसे लेकर वैज्ञानिक भी चिंतित होने लगे हैं। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रवि गुप्ता ने कहा- 'ब्रिटेन में तीसरी लहर के संकेत मिलने लगे हैं। देश में पिछले 10 दिन में कोरोना के केस तेजी से बढ़े हैं। जिसकी मुख्य वजह नया वैरिएंट है।' दूसरी ओर, इंग्लैंड में 21 जून को कोरोना वायरस प्रतिबंधों में ढील का अंतिम चरण लागू होगा। इसे लेकर प्रोफेसर गुप्ता ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर देश में लॉकडाउन में और ढील दी गई तो ब्रिटेन में बी.1.6172 वायरस गति पकड़ सकता है, जो देश के लिए बड़ी समस्या बन सकता है।

कोरोना दुनिया में: बीते दिन 3.58 लाख केस आए, 7,869 की मौत; एक दिन में जान गंवाने वालों का आंकड़ा पिछले 58 दिन में सबसे कम

वॉशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना की रफ्तार अब कम होने लगी है। बीते दिन दुनिया में 3 लाख 58 हजार 179 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। यह लगातार दूसरा दिन रहा, जब एक दिन में 4 लाख से कम कोरोना के मामले सामने आए हैं।

मौतों के आंकड़े की बात करें, तो बीते दिन 7,869 लोगों की कोरोना संक्रमण की वजह से जान गई। एक दिन में जान गंवाने वालों के मामले में यह कड़ा बीते 58 दिन में सबसे कम है। इससे पहले 4 अप्रैल को 7123 लोगों की मौत हुई थी।

भारत में भी मामले कम हुए

भारत में भी कोरोना के मामले अब कम होने लगे हैं। यहां 6 मई को सबसे ज्यादा 4.14 लाख केस आए थे। यह आंकड़ा अब 1.30 लाख से भी नीचे आ गया है। बीते दिन भारत में 1.26 लाख केस मिले और 3 हजार से कम मौतें हुई।

फिलीपींस ने भारत समेत 6 देशों पर ट्रैवल बैन बढ़ाया

फिलीपींस ने भारत समेत 6 देशों पर लगाया गया ट्रैवल बैन बढ़ा दिया है। भारत में कोरोना वैरिएंट क्र1617 पाए जाने के बाद यह बैन लगाया गया था। अब इसे 15 जून तक बढ़ा दिया गया है। भारत के

अलावा पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात पर यह पाबंदी लागू होगी।

अमेरिकी एक्सपर्ट्स की चेतावनी

अमेरिकी मीडिया कंपनी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक वायरस की उत्पत्ति के मुद्दे को लेकर अमेरिका के दो एक्सपर्ट्स ने बड़ी चेतावनी दी है। उनका कहना है कि या तो कोविड-19 की उत्पत्ति (ओरिजिन) का पता लगाएं या फिर कोविड-26 और कोविड-32 के लिए तैयार रहें।

यह चेतावनी अमेरिका की डोनाल्ड ट्रम्प सरकार में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर रहे स्कॉट गॉटलीब और टेक्सास के चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल सेंटर फॉर वैक्सीन डेवलपमेंट के को-डायरेक्टर पीटर होट्स ने दी है। गॉटलीब अभी दवा कंपनी फाइजर के बोर्ड में शामिल हैं।

चीन में फिर कोरोना संकट

चीन में एक बार कोरोनावायरस पैर पसार रहा है। यहां के गुआनझाओ शहर में 30 और 31 मई के बीच 27 नए केस मिले। इनमें से सिर्फ 7 मरीज ऐसे थे जो दूसरे देशों से यात्रा करके यहां आए थे। बाकी 20 केस लोकल ट्रांसमिशन के हैं। इसके बाद शहर में सख्ती बढ़ा दी गई है। सभी लोगों से टेस्ट कराने को कहा गया है और इसके लिए शहर में सैकड़ों टेस्टिंग सेंटर बनाए गए हैं। अब तक 519 फ्लाइट्स भी कैंसल की गई हैं।

अब तक 17.14 करोड़ केस

दुनिया में कोरोना के अब तक 17.14 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 35.64 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, जबकि 15.39 करोड़ लोगों ने कोरोना को मात दी है। फिलहाल 1.41 करोड़ लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें 1.40 करोड़ लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण हैं और 91,755 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

केजरीवाल सरकार की नई शराब नीति पर विपक्ष ने बोला हमला

नई शराब नीति में बदलाव आपदा में अवसर

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा नई एक्साईज पॉलिसी में बदलाव आपदा में अवसर की तरह है। अरविन्द सरकार नई शराब नीति को हरी झंडी देकर लॉकडाउन में घर-घर शराब पहुचाने का काम करेंगी। चौ.अनिल कुमार ने कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अब कोरोना संक्रमण को दवा से नहीं शराब से हराने का फैंसला लिया है वह दिल्ली को तबाही की ओर लेकर जाएगा और भविष्य में इसके दुष्परिणाम सामने आएंगे। अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली सरकार कोरोना एप में अस्पतालों में बेड दिलाने में नाकाम रही और वहीं कोविन एप के द्वारा टीका भी दिलाने में फेल रही है लेकिन अब एप के माध्यम से घर-घर शराब परोसी जाएगी। प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार के साथ मुख्यमंत्री के पूर्व संसदीय सचिव अनिल भारद्वाज ने भी सम्बोधित किया व परवेज आलम भी मौजूद थे। संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अनिल कुमार ने चिंता व्यक्त की कि जहां आज दुनिया के विशेषज्ञ डाक्टर कोविड के तीसरे वेव को लेकर चिंतित है, मुख्यमंत्री दिल्ली में ऑनलाईन तथा मोबाईल एप्प के तहत घर-घर शराब पहुंचाने की तैयारी करके

लॉकडाउन में घर-घर शराब पहुंचाने का काम गलत : अनिल कुमार

- दिल्ली को तबाही की ओर लेकर जाएगा यह फैसला : कांग्रेस
- दिल्ली को नशे की राजधानी बनाने जा रहे हैं केजरीवाल

दिल्ली को नशे की राजधानी बनाने जा रहे है। संकट के समय में दिल्ली सरकार की प्राथमिकता शराब की नीति मॉडल के रुप में उभर कर आई है। अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली के लिए यह किस तरह के फैसले ले रहे हैं, जिसमें युवाओं की आयु घटाकर उन्हें शराब पीने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। नई शराब नीति स्वास्थ्य को जोखिम में डालने का काम कर रही है, इसके द्वारा होने वाले नुकसान की जवाबदेही किसकी है। केजरीवाल दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था की तुलना सिंगापुर से करते है और यह कहते है कि मौहल्ला क्लीनिक मॉडल को दूसरे राज्य व देश भी अपना रहे है, जो कि कोरा झूठ साबित हुआ है। अनिल कुमार ने कहा कि मौहल्ला क्लीनिकों में न तो टेस्ट होते है और न ही टीकाकरण किया जा सकता है, क्योंकि टीकाकरण के लिए तो मुख्यमंत्री ने मौहल्ला क्लीनिकों को स्वयं अयोग्य माना है।

केजरीवाल मुफ्त दवा व अनाज तो बांट नहीं पाए अब घर-घर शराब बांटने में जुटे : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने केजरीवाल सरकार द्वारा शराब की होम डिलीवरी करने के फैसले को भारतीय संस्कृति के खिलाफ बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है। कोरोना काल में जब सरकार को लोगों के स्वास्थ और चिकित्सा व्यवस्था बेहतर करने का काम करना चाहिए था तब केजरीवाल सरकार शराब माफियाओं के साथ मिलकर इसकी होम डिलीवरी करने की नीति बना रही थी। आदेश गुप्ता ने कहा कि बेहतर होता है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और चिकित्सा के सेवाएं शुरू कराने का काम करते। कोरोना काल में लाखों लोग अस्पतालों में धक्के खाते हुए अपनी जान गवांते रहे लेकिन सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। घरों में उपचार लोगों को दवाइयां ऑक्सीजन और डॉक्टरी सहायता नहीं मिली। सरकार अगर आम लोगों के बारे में सोचती तो उन्हें ये सारी चीजें होम डिलीवरी करनी चाहिए थी। आदेश गुप्ता ने कहा कि महामारी के दौरान कालाबाजारी, ऑक्सीजन और दवाइयों के घोटाले को रोकने के लिए केजरीवाल ने कोई कदम नहीं उठाया।

लेकिन शराब माफियाओं के साथ मिलकर शराब जैसी जहर को घर-घर पहुंचाने का काम तुरंत करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में नशा मुक्ति की बात करने वाले केजरीवाल दिल्ली में शराब बांटने का काम कर रहे हैं जिससे उनका दोहरा चेहरा सबके सामने आ चुका है। महामारी के दौरान बेरोजगार हो चुके लोगों को रोजगार देने के लिए सरकार ने कोई योजना नहीं बनाई।

अभी तक युवाओं के लिए कोवैक्सीन नहीं मिली है : आतिशी

- युवाओं को कोवैक्सीन की दूसरी डोज लगाने का हो गया है समय
- दिल्ली में 31 मई को वैक्सीन की 56,559 डोज लगाई गईं

नई दिल्ली (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी ने कहा कि दिल्ली में युवाओं के लिए वैक्सीन की डोज उपलब्ध नहीं हैं। केंद्र सरकार से 10 जून तक वैक्सीन की डोज मिलेंगी, तब तक युवाओं का वैक्सीनेशन बंद रहेगा। दिल्ली में 31 मई को वैक्सीन की 56,559 डोज लगाई गईं, जिसमें से 36,512 लोगों को पहली और 20,047 लोगों को दूसरी डोज लगाई गई। युवाओं को कोवैक्सीन की दूसरी डोज लगाने का समय हो गया है लेकिन दिल्ली को अभी तक युवाओं के लिए डोज नहीं मिली हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब युवाओं को काम के चलते घर से बाहर निकलना पड़ेगा।

ऐसे में उम्मीद है कि केंद्र सरकार युवाओं की आवाज को सुनकर जल्द वैक्सीन उपलब्ध कराएगी। दिल्ली में 54,09,352 लोगों को वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी हैं, जिसमें से 41,85,000 लोगों को पहली और 12,24,330 लोगों को दूसरी डोज लग गई है। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने मंगलवार को वैक्सीनेशन बुलेटिन जारी किया। विधायक आतिशी ने कहा कि दिल्ली में 31 मई को वैक्सीन की 56,559 डोजे लगाई गई है। जिसमें से 36,512 लोगों को पहली और 20,047 लोगों को दूसरी डोज लगाई गई है। दिल्ली में कल से युवाओं को समूह भी दूसरी डोज लगवाने के पात्र हो गए हैं। लेकिन दिल्ली में युवाओं के लिए दूसरी और पहली डोज अभी उपलब्ध नहीं है।

दिल्ली में पिछले 8-9 दिनों से किसी भी सरकारी वैक्सीनेशन केंद्र पर युवाओं को वैक्सीनेशन नहीं हो रहा है। जिन युवाओं ने मई की शुरुआत में वैक्सीन की पहली डोज लगवाई थी उनको दूसरी डोज लगने का समय हो गया है। लेकिन अभी भी दिल्ली के युवाओं के लिए वैक्सीन नहीं आई है।

संक्षिप्त खबर

पुलिस से बचने के लिए खुद ही अपनी स्कूटी की चोरी की दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली। लूटपाट और झपटमारी की वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस से बचने के लिए एक बदमाश ने खुद ही लोधी कॉलोनी थाने में अपनी स्कूटी की चोरी की शिकायत दर्ज करा दी। हालांकि जब पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो सच्चाई सामने आ गई और फिर पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी ने एक महिला के साथ पर्यावरण भवन के पास स्नैचिंग की थी और जब पुलिस ने उस मामले में आरोपी की तलाश शुरू की तो बचने के लिए उसने खुद ही थाने में स्कूटी की चोरी की शिकायत दे दी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जगतपुरी निवासी आसिफ अंसारी के तौर पर की है, जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। साउथ जिला पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि स्थानीय लोधी कॉलोनी थाना इलाके में गत 19 मार्च को पर्यावरण भवन के पास एक स्कूटी सवार बदमाश द्वारा महिला के गले से सोने की चेन छीनने की शिकायत मिली थी। महिला की शिकायत पर एसएचओ प्रफुल्ल कुमार झा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्कूटी का नंबर पता लगाया और फिर नंबर के आधार पर स्कूटी के मालिक आसिफ तक पहुंची। जिसने पुलिस को बताया कि उसने पहले से ही अपनी स्कूटी के चोरी होने की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने जब स्कूटी की तलाश की तो पता चला कि उसकी स्कूटी उसके घर पर ही मौजूद है। जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोचकर पूछताछ की तो उसने चोरी की बात कबूल कर ली। फिलहाल पुलिस उस आरोपी की तलाश कर रही है, जिसे आरोपी आसिफ ने सोने की चेन बेची थी।

दुकानदार को धमकाकर उगाही करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। साउथ ईस्ट जिला की अमर कॉलोनी पुलिस ने एक ऐसे बदमाश को गिरफ्तार किया है जो चाकू के बल पर ओखला मंडी इलाके में दुकानदारों से जबरन पैसे उगाही करता था। वह हत्या की कोशिश समेत 38 अपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उसके पास से एक बटन दार चाकू भी पुलिस ने बरामद किया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान गांधी कैंप अमर कॉलोनी निवासी मोहम्मद आबिद के रूप में हुआ है। साउथईस्ट जिला के डीसीपी आरपी मीणा ने बताया कि 31 मई को कांस्टेबल राजेश और कांस्टेबल संजय ओखला मंडी इलाके में गश्त कर रहे थे। तभी एक संदिग्ध दिखाई पड़ा जो पुलिस वाले को देख उल्टा तेज गति से भागने लगा। शक के आधार पर पुलिस वालों ने कुछ दूरी तक पीछा कर उसे धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में पता चला कि वह नशे का आदी है और शराब के नशे की पूर्ति के लिए चाकू के बल पर दुकानदारों को डर का डरा धमका कर जबरन पैसा वसूली करता है।

चोरी के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। कोटला मुबारकपुर इलाके में घर में की थी चोरी साउथ जिला की कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने दो ऐसे नाबालिक दोस्तों को पकड़ा है जो घरों में चोरी और सेंधमारी की वारदात को अंजाम देते थे कुछ दिन पहले ही दोनों ने कोटला मुबारकपुर इलाके में भी एक घर में चोरी की थी। उनके पास से 7 मोबाइल फोन और एक एलईडी टीवी बरामद की गई है।

ऑपरेशन ब्लूस्टार की सच्चाई सामने आए : सरना

नई दिल्ली (संवाददाता)। ऑपरेशन ब्लूस्टार के 37 वर्ष गुजरने के बाद भी देश के काले अध्याय को संगत के सामने पेश नही किया गया। यह बातें शिरोमणि अकाली दल दिल्ली के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने कही।

पंथक नेता ने कहा कि ना तो आने वाली सरकारों ने, और नही श्री अकालतख्त साहिब के किसी जत्थेदार ने यह बातें देश के सामने रखी की आखिर ऑपरेशन ब्लूस्टार के पहले प्रकाश सिंह बादल ने उस समय के मुख्य नेताओ के साथ क्यों गुप्त बैठक रखी थी। ऑपरेशन ब्लू स्टार से पहले की उन महत्वपूर्ण बैठकों को इतना व्यापक रूप से क्यों छुपाया गया है। सरदार सरना ने आश्चर्य व्यक्त किया। यह कोई हैरानी की बात नही है कि सिख कत्लेआम के बाद ही प्रकाश सिंह बादल का कद पंजाब के राजनीतिक मैदान में ऊँचा हुआ। बादल के आगे आने से ही सिख विरोधी ताकतों को नया बल मिला है।

यह बात अब भी दुनिया को नही पता है की आखिर किसके इशारे पर मोगा कन्वेशन,1996 में पंथक मुद्दों को खत्म कर दिया गया। यह सवाल करने वाली बात है कि आखिर क्यों पंजाब की पंथक और राजनीतिक सभी शक्ति एक परिवार के हाथो में सिमट कर रह गई है।

जहां बिजली, पानी की सुविधा तक नहीं, वहां लोगों को तक पहुंचा रहे राशन : विनय सहस्त्रबुद्धे

नई दिल्ली । जहां बिजली, पानी, शिक्षा की व्यवस्था नहीं है, ऐसे इलाके में लोगों को अनाज उपलब्ध कराना वास्तव में भाजपा के अंत्योदय सिद्धांत का पूरी तरह से अनुसरण करने वाला काम है। यह बात भाजपा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे ने चिल्ला यमुना खादर इलाके में रहने वाले परिवारों को पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा सूखा राशन आदि वितरण करने के दौरान कही। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को लंदन, पेरिस, सिंगापुर बनाने की बात करती है। लेकिन, यहां लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। पिछले वर्ष और इस वर्ष भी यहां भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आकर इन परिवारों को बराबर सहायता देने का प्रयास किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता यहां लोगों को राशन आदि उपलब्ध कराने के लिए हर संभव मदद करेंगे। जल्द ही यहां के लोगों को निश्शुल्क गैस-चूल्हा उपलब्ध कराया जाएगा और कोशिश की जाएगी कि पानी, बिजली व आवागमन की दिक्कत को भी दूर कराया जाए। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष विनोद बछेती, जिला उपाध्यक्ष विजेंद्र धामा, राजीव कोहली, सोनू पंडित, लोकेश शर्मा, नीरज शर्मा, सुनील चौहान आदि मौजूद रहे। बालाजी रामलीला कमेटी कड़कड़डूमा ने हेडगेवार अस्पताल के बाहर करीब एक हजार खाने के पैकेट का वितरण किया।

भाजपा ने एमसीडी को दिवालिया कर दिया है : दुर्गेश

अब हाई कोर्ट एमसीडी की प्रॉपर्टीज नीलाम कर कर्मचारियों को तनख्वाह देगी

नई दिल्ली (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि हाई कोर्ट एमसीडी की प्रॉपर्टीज नीलाम करके एमसीडी के कर्मचारियों को तनख्वाह देगी। दिल्ली की भाजपा ने अपने 15 सालों के कार्यकाल में एमसीडी को इतना लूटा है कि आज कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नही हैं। जिसके कारण कोर्ट को मजबूरन ऐसा कड़ा फैसला लेना पड़ा। आप नेता ने कहा कि यह इसका कोई स्थायी समाधान नहीं होगा क्योंकि कुछ वक्त के बाद सारी प्रॉपर्टी बिक जाएगी उसके बाद कर्मचारियों को किस प्रकार वेतन दिया जायेगा? इसका स्थायी समाधान यह है कि इस एमसीडी को भंग कर दिया जाए। भारतीय जनता पार्टी को एमसीडी से बर्खास्त कर दिया जाए। प्रेस वार्ता में

मौजूद तीनों एमसीडी के आप नेता प्रतिपक्ष, प्रेम चौहान, विकास गोयल और मनोज त्यागी ने एमसीडी के अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को उजागर किया और कहा कि दिल्ली भाजपा के भ्रष्टाचार से परेशान खुद भाजपा के कई पार्षद और कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि भाजपा को एमसीडी से बर्खास्त कर नए चुनाव होने चाहिए।

दर-दर भटक रहे हैं आज दिल्ली के कर्मचारी : पाठक

कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए आप नेता ने कहा, कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है कि एमसीडी अपनी प्रॉपर्टीज की कॉपी कोर्ट के पास जमा करेगी। अब कोर्ट उन प्रॉपर्टीज को नीलाम करके कर्मचारियों को वेतन देगी। मुझे नहीं लगता है कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति किसी भी संगठन या सरकार के लिए हो सकती है। यह तो शर्म से डूब मरने वाली स्थिति है। आज बीजेपी के नेताओं के भ्रष्टाचार की कीमत दिल्ली के एमसीडी के कर्मचारी भोग रहे हैं। आज दिल्ली के कर्मचारी दर-दर भटक रहे हैं।

पंजाब कांग्रेस विधायक नवजोत सिंह सिद्धू नई दिल्ली में पंजाब पर कांग्रेस पैनल के साथ बैठक के बाद कांग्रेस के वॉर रूम से बाहर आते हुए।

कोरोना में खुल गई स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल, काम नहीं आया एक भी मोहल्ला क्लीनिक- विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली । कोरोना महामारी से लड़ाई में दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं को भाजपा ने नाकाफी बताया है। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधायक विजेंद्र गुप्ता का कहना है कि कोरोना की दूसरी लहर ने दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य से संबंधित बुनियादी ढांचे की कमियों को उजागर कर दिया है। विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की बात करने वाली सरकार की असलीयत सामने आ गई है। त्रासदी के समय मोहल्ला क्लीनिक का उपयोग मरीजों के इलाज के लिए नहीं किया जा सका। सरकार की नाकामी से कोरनो से पीड़ित मरीजों को इलाज कराने में परेशानी का सामना करना पड़ा, कई लोगों की जान चली गई। विशेषज्ञ तीसरी लहर की आशंका जता रहे हैं, परंतु दिल्ली सरकार इसे लेकर गंभीर नहीं लग रही है। दिल्लीवासियों को बेहतर इलाज की दरकार है उन्हें मरने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता है, इसलिए अरविंद केजरीवाल सरकार को दिखावे से ऊपर उठकर धरातल पर काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महामारी से लड़ने में एक भी मोहल्ला क्लीनिक काम नहीं आया। वास्तव में मोहल्ला क्लीनिक एक खंडहर मकान की तरह है जिसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। इनमें मरीजों के इलाज के लिए किसी तरह की सुविधा नहीं है। राजधानी में कई अस्पतालों की इमारत तैयार है लेकिन उन्हें शुरू नहीं किया गया है।

इन सभी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और इन्हें शीघ्र शुरू करने की जरूरत है। इसी तरह से ज्यादा संख्या में आइसोलेशन केंद्र बनाए जाएं। पहले से मौजूद मोहल्ला क्लीनिक, सामुदायिक भवन, स्कूलों आदि की पहचान की जाए जिन्हें जरूरत पड़ने पर आइसोलेशन केंद्र में परिवर्तित किया जा सके।

आइसोलेशन केंद्रों में आक्सीजन सिलेंडर व आक्सीजन कंसंट्रेटर की सुविधा भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही स्वास्थ्य कर्मचारियों पर से बोझ कम करने की जरूरत है। कोरोना महामारी ने इनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाला है।

इसे ध्यान में रखकर स्वास्थ्य कर्मचारियों के रिक्त पदों को शीघ्र भरकर उन्हें कोरोना महामारी से लड़ने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। तीसरी लहर को ध्यान में रखकर सरकार को गंभीरता दिखाना चाहिए जिससे कि दिल्लीवासियों को इलाज के लिए भटकना न पड़े।

दिल्ली में अगले 10 दिन तक बंद रहेंगे कोरोना वैक्सीनेशन सेंटर्स, ये है वजह..

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए वैक्सीनेशन का अभियान जोर शोर से चल रहा है. लेकिन दिल्ली में 18+ उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन की डोज उपलब्ध नहीं है. इसके चलते दिल्ली सरकार तमाम वैक्सीनेशन सेंटरों को बंद कर चुकी है. अब उम्मीद जताई जा रही है कि केंद्र सरकार की ओर से 10 जून तक वैक्सीन की डोज उपलब्ध हो पाएगी. यानी तब तक इन सभी वैक्सीनेशन सेंटर्स को बंद रखना होगा अभी और बंद रखना होगा.

आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी ने कहा कि दिल्ली में युवाओं के लिए वैक्सीन की डोज उपलब्ध नहीं हैं. केंद्र सरकार से 10 जून तक वैक्सीन की डोज मिलेंगी, तब तक युवाओं का वैक्सीनेशन बंद रहेगा. दिल्ली में 31 मई को वैक्सीन की 56,559 डोज लगाई गईं, जिसमें से 36,512 लोगों को पहली और 20,047 लोगों को दूसरी डोज लगाई गई. युवाओं को कोवैक्सीन की दूसरी डोज लगाने का समय हो गया है. लेकिन दिल्ली को अभी तक युवाओं के लिए डोज नहीं मिली हैं. उन्होंने कहा कि दिल्ली में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो गई है. अब युवाओं को काम के चलते घर से बाहर निकलना पड़ेगा.

ऐसे में उम्मीद है कि केंद्र सरकार युवाओं की आवाज को सुनकर जल्द वैक्सीन उपलब्ध कराएगी. दिल्ली में 54,09,352 लोगों को वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी हैं, जिसमें से 41,85,000 लोगों को पहली और 12,24,330 लोगों को दूसरी डोज लग गई है.आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने मंगलवार को वैक्सीनेशन बुलेटिन जारी करते हुये बताया कि दिल्ली में 31 मई को वैक्सीन की 56,559 डोज लगाई गई हैं जिसमें से 36,512 लोगों को पहली और 20,047 लोगों को दूसरी डोज लगाई गई है. दिल्ली में कल से युवाओं के समूह भी दूसरी डोज लगवाने के पात्र हो गए हैं. लेकिन दिल्ली में युवाओं के लिए दूसरी और पहली डोज अभी उपलब्ध नहीं है.

दिल्ली में पिछले 8-9 दिनों से किसी भी सरकारी वैक्सीनेशन केंद्र पर युवाओं को वैक्सीनेशन नहीं हो रहा है जिन युवाओं ने मई की शुरुआत में वैक्सीन की पहली डोज लगवाई थी, उनको दूसरी डोज लगने का समय हो गया है. लेकिन अभी भी दिल्ली के युवाओं के लिए वैक्सीन नहीं आई है. विधायक आतिशी ने कहा कि दिल्ली में युवाओं का वैक्सीनेशन सिर्फ निजी अस्पातलों में हो रहा है. निजी अस्पातलों में काफी महंगे दामों पर वैक्सीनेशन हो रहा है.

दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भी कोरोना मरीज करा सकेंगे मोनोक्लोनल एंटीबाडी से इलाज

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भी मंगलवार से कोरोना मरीजों का इलाज मोनोक्लोनल एंटीबाडी काकटेल (एमएसी) दवा से करना शुरू कर दिया गया है। अस्पताल के चेयरमैन डा डीएस राणा ने बताया कि इसकी एक खुराक की कीमत 59 हजार 750 रुपये रखी गई है। डीएस राणा ने यह भी बताया कि गंगाराम अस्पताल में फिलहाल इसका इस्तेमाल हल्के और मध्यम लक्षणों वाले मरीजों पर किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि यह दवाई कासिरिविमैब और इंम्डेविमैब दोनों दवाईयों के मिश्रण से तैयार की गई है। यह दवा मरीज के कोरोना संक्रमित होने के शुरुआती सात दिनों में ही दी जाती है। इस दवाई के बारे में दावा है कि इसके इस्तेमाल से 70 से 80 फीसद लोगों को अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। दवा देने के बाद मरीज को एक घंटे तक निगरानी में रखा जाता है, जिससे किसी दुष्प्रभाव का पता चल सके। सब कुछ ठीक रहने पर मरीज को घर जाने की अनुमति दी जाती है।

इससे पहले दिल्ली के ही इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के अलावा एनसीआर के कई दूसरे अस्पताल भी इस दवाई से कोरोना मरीजों का इलाज शुरू कर चुके हैं। ड्रग कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया के मुताबिक इस दवाई के इस्तेमाल के लिए मरीज के पास कोरोना संक्रमण की पाजिटिव रिपोर्ट, हल्के व मध्यम लक्षण और उम्र 12 साल से ऊपर होनी चाहिए।

प्रॉपर्टी डीलर मर्डर मामले में वांटेड अरेस्ट, मार्च में हत्या करने के बाद से था फरार

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिला पुलिस के जाफर पुर कलां थाने के स्टाफ ने हत्या के मामले में वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद की हैं. आरोपी पहले भी हत्या, हत्या के प्रयास आदि पांच आपराधिक मामलों में शामिल रहा है.

दिल्ली के द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया कि द्वारका जिले में पुलिस स्टाफ को खुफिया जानकारी विकसित करने और क्षेत्र में घूमने वाले अपराधियों के साथ-साथ संदिग्ध अजनबियों के बारे में जानकारी एकत्र करने और दिल्ली पुलिस की ई-बीट बुक के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन करने के लिए नियमित रूप से जानकारी दी जा रही थी. उन्हें सिविल कपड़ों में गश्त करने और जेल-जमानत से रिहा हुए अपराधियों पर नजर रखने के भी निर्देश दिए गए हैं, जो फिर से अपराध में शामिल हैं.

इसी बीच 29 मई को रात करीब 8 बजे हेड कांस्टेबल वीरेंद्र कुमार को कापसहेड़ा थाने के तहत हत्या के मामले में वांछित फरार अपराधी की गतिविधि के बारे में गुप्त सूचना मिली थी. इस सूचना के मिलते ही गांव मुंधेला मोड़ ढांसा-नजफगढ़ मार्ग पर टीम ने अपना जाल बिछाकर एक व्यक्ति को एक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिया.

पूछताछ करने पर वह हत्या के मामले में वांछित पाया गया. इस संबंध मे जाफर पुर कलां थाने के तहत मामला दर्ज कर आरोपी सुधीर उ मोनू को गिरफ्तार कर लिया.पुलिस ने बताया कि आरोपी सुधीर जाफरपुर कलां थाने का सक्रिय बीसी है. वह प्रॉपर्टी डीलर के तौर पर ज्यादातर विवादित प्रॉपर्टी में डील करता था. मार्च 2021 के महीने में उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर अपने फार्महाउस के अंदर एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी थी, तब से वह फरार था. वह पहले पाँच मामलों में शामिल बताया जाता है.

संपादकीय

सेवा के दावे पर कितना भरोसा

कोरोना के दूसरे भयावह दौर में राजनीति में अभी चिट्ठियों का दौर चल रहा है, 'लेटर बम' भेजे जा रहे हैं। इंटरनेट, वाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम के साथ मोबाइल फोन के जमाने में जब चिट्ठियां लिखना दूर की बात हो गई, तब राजनीतिक दलों को यह सबसे ताकतवर हथियार लग रहा है। राजनीतिक दल अपने विरोधी नेता को चिट्ठी लिख रहे हैं। चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत देश के 12 विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है और नौ सुझाव दिए हैं। उसमें बात सिर्फ कोरोना की नहीं है, कुछ और भी राजनीतिक सुझाव है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी, तो उसका कड़ा-सा जवाब स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्द्धन ने भेजा, फिर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लंबी चिट्ठी लिखी, तो उससे भी लंबा जवाब भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भेज दिया। उत्तर प्रदेश में मंत्री और एमएलए मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिख रहे हैं। देश में कोरोना की इस दूसरी लहर में हरेक दिन करीब चार लाख नए संक्रमित मरीज मिल रहे हैं और करीब चार हजार लोगों की रोजाना मौत हो रही है। यह तो सरकारी आंकड़ा है, अनुमान इससे कई गुना ज्यादा मौत होने का है, वरना गंगा, यमुना और दूसरी नदियों में लाशें बहती न दिखतीं और न ही श्मशानों व कब्रिस्तानों में मुर्दों के लिए जगह कम पड़ती। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में सरकारों से सवाल पूछना जरूरी है और विपक्ष में बैठे राजनीतिक दलों के लिए यह सबसे मजबूत हथियार है। सवाल है, क्या सबसे जरूरी काम इस वक्त सवाल पूछना भर है और वह भी तब, जब एक राज्य में कोई पार्टी सरकार में है, तो दूसरी विपक्ष में और हर जगह हाल यही है कि अपने गिरेबान में झांकने के बजाय हर कोई दूसरे पर अंगुली उठा रहा है। इस सबके बीच पिस रहा है आम आदमी, जिसके लिए अस्पताल में न बेड है, न ऑक्सीजन और न ही वेंटिलेटर और बिना इलाज के मर जाए, तो श्मशान-कब्रिस्तान में भी जगह नहीं है। जन-नाराजगी से पीछा छुड़ाने के लिए 'पॉजिटिविटी अनलिमिटेड कैंपेन' शुरू कर दिया गया है, पर क्या सिर्फ भाषणों और प्रवचनों से पॉजिटिविटी आ सकती है?

केंद्र और राज्यों में बैठी सरकारें तो अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं ही कर रही हैं, हैरानी है कि 'राष्ट्र को प्रथम' और 'समाजसेवा के लिए राजनीति' में आए हमारे राजनीतिक दल, उनके नेता और कार्यकर्ता भी इस समय कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। साल 1950 में लोकतंत्र को अपनाने वाले इस देश में आज करीब 2,300 राजनीतिक दल हैं। इनमें चुनाव आयोग में सात राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर और 59 राज्य स्तरीय पार्टी के तौर पर पंजीकृत हैं। करीब 800 सांसद हैं, 4,120 विधायक हैं, जिनमें सबसे ज्यादा भाजपा के 1,300 और कांग्रेस के 870 विधायक हैं। इसके साथ ही, हजारों की तादाद में पार्षद, पंच और सरपंच हैं। राजनीतिक दलों के सदस्यों की तादाद देखी जाए, तो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा के 18 करोड़ सदस्य और सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के करीब दो करोड़ सदस्य हैं। सबसे बड़े सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक करोड़ से ज्यादा स्वयंसेवक हैं। कुल मिलाकर, 30 करोड़ से ज्यादा सक्रिय राजनीतिक कार्यकर्ता देश में हैं, यानी औसतन हर परिवार के पीछे एक राजनीतिक कार्यकर्ता मिल सकता है और यदि देश के कुल ढाई करोड़ कोरोना मरीजों की तादाद मानें, तो हरेक मरीज की सेवा 14 राजनीतिक कार्यकर्ता कर सकते हैं, पर क्या आपको तस्वीर ऐसी ही दिख रही है? क्या राजनेता व कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहे हैं? कुछ लोग हैं, जो काम कर रहे हैं, लेकिन पटना और बिहार में जब पप्पू यादव पीड़ितों के लिए काम करते दिखते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दिलीप पांडे मरीजों को बिस्तर दिलाने की कोशिश में लगे हैं, तो उनसे क्राइम ब्रांच पूछताछ कर रही है। गुरुद्वारों के लोग लगे हैं, मस्जिदों, मंदिरों और चर्च में भी कुछ हद तक लगे हैं, लेकिन अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी को सार्वजनिक करने वाले अपने ही लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने से सरकारें नहीं चूक रहीं। ये राजनीतिक कार्यकर्ता भले ही वेंटिलेटर, बेड नहीं दे सकते, ऑक्सीजन पैदा नहीं कर सकते, वैक्सीन की खुराक नहीं बना सकते, लेकिन उनके जमीन पर उतरने से इतना तो तय है कि दवाओं और ऑक्सीजन सिलेंडरों की कालाबाजारी रुक जाती। विधायकों और सांसदों के सक्रिय होने पर अस्पताल बिस्तर भरे होने के झूठे आंकड़े नहीं दिखा पाते। लाखों के फर्जी बिल बनाने की हिम्मत नहीं कर पाते।

राजनीतिक दल कोरोना पीड़ित परिवारों के लिए कम से कम दो वक्त का भोजन उपलब्ध तो करा ही सकते थे और इतनी उम्मीद तो उनसे की ही जा सकती है कि वे मरने वालों के शवों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार ही करवा दें। साल 2019 के आम चुनाव में भाजपा के 436 उम्मीदवारों में से 303 सांसद चुने गए, तो कांग्रेस के 421 उम्मीदवारों में से 52 चुनकर लोकसभा पहुंचे, इसी अनुपात में दूसरे दलों के भी उम्मीदवार हैं। सांसदों और विधायकों की बात छोड़िए, यदि ये हारे हुए लोग ही इस संकट काल में सेवा के लिए मैदान में उतर जाएं, तो हो सकता है कि अगली बार उनकी किस्मत बदल जाए। यहां जयपुर से कई बार भाजपा सांसद और विधायक रहे गिरधारी लाल भार्गव का जिक्र जरूरी लगता है। जब भार्गव विधायक से सांसद बने, तो उन्होंने जयपुर के श्मशानों में गंगा में प्रवाहित होने के इंतजार में बरसों से पड़ी हजारों अस्थियों को प्रवाहित करने का संकल्प किया और वह हर शनिवार की रात रोडवेज की बस में बैठकर एक बोरा अस्थियां हरिद्वार लाते। अगले दिन संस्कार और सम्मान के साथ उन्हें प्रवाहित कर देते। नतीजा जब एक बार कांग्रेस ने उनके खिलाफ जयपुर के पूर्व महाराजा भवानी सिंह को उतार दिया, तब एक नारा चला, 'जिसका कोई न पूछे हाल, उसके संग गिरधारी लाल'। उस चुनाव का नतीजा यहां लिखने की जरूरत नहीं है और यह राजनेता के लिए सबक भी हो सकता है, गर वह सीखना चाहे।

प्रवीण कुमार सिंह

महामारी के लिए केंद्र को कठघरे में खड़ा कर रहे राज्यों को अपने अंदर भी झांकना होगा

विदेशी मीडिया को तो यह भी बताना चाहिए कि जब अमेरिका, इटली या ब्रिटेन में कोरोना संक्रमण चरम पर था, तब क्या उनके कैमरामैन-रिपोर्टर कब्रिस्तानों का हाल बयान कर रहे थे? देश का मनोबल गिराने वाली कवरेज से हमें सावधान रहना होगा और देसी-विदेशी मीडिया के शरारत भरे एजेंडे को समझना होगा। गिरा हुआ मनोबल और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप हमें महामारी से लड़ने में मदद नहीं करेगा। इस समय जरूरत इसकी है कि हम सकारात्मक रवैये के साथ कोविड प्रोटोकॉल को अपनाकर कोरोना से निपटने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मिलकर प्रयास करें।

कोविड महामारी की दूसरी लहर के चरम पर पहुंचने के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह धीरे-धीरे ही सही, थम रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का आकलन है कि यह लहर कम तो हो रही है, पर इसके निष्क्रिय होने में समय लगेगा और इसीलिए तमाम शहरों में लॉकडाउन बरकरार रखना पड़ेगा। भारत जैसे विकासशील देश में लॉकडाउन लंबे समय तक बरकरार रखना बेहद चुनौतीपूर्ण है। ध्यान रहे कि पिछले साल कोविड महामारी ने आर्थिक तौर पर देश की कमर तोड़ कर रख दी थी। जब अर्थव्यवस्था पटरी पर आ रही थी, तब महामारी की दूसरी लहर आ गई, जो कि अनुमान से बहुत तेज निकली। इस दूसरी लहर में संक्रमण इतना भयंकर है कि पिछले साल जनता जो हौसला दिखा रही थी, वह इस बार नहीं दिखा पा रही। इस बार अन्य लोगों की तरह कारोबार जगत के भी कई लोग संक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं। स्वजनों, कर्मियों और दोस्तों को खोने की पीड़ा झेल रहे कारोबारी समुदाय को अपने हौसले को बनाए रखना होगा और जैसे ही स्थितियां सामान्य होती दिखें, तेजी से सक्रिय होना होगा।

इस समय कोरोना आर्थिक तौर पर भी नुकसान पहुंचा रहा है और मानसिक तौर पर भी। दूसरी लहर का ठीकरा किसके सिर फूटे, इसे लेकर देश में भयंकर राजनीति शुरू है। इस राजनीति की शुरुआत तभी हो गई थी जब मार्च के आखिरी सप्ताह में मुंबई और केरल में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा था। इसी दौरान हरिद्वार में कुंभ हो रहा था और पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी चल रहे थे। अप्रैल का दूसरा सप्ताह आते-आते संक्रमण दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य इलाकों में भी अपने पैर तेजी से पसारने लगा। इसी के साथ प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की बंगाल की चुनावी रैलियों का उल्लेखकर उन पर निशाना साधा जाने लगा और कुंभ को लेकर भी सवाल

उठाए जाने लगे। ऐसा करने वालों में राजनीतिक दलों के साथ विदेशी मीडिया भी था। मद्रास हाईकोर्ट ने तो चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करते हुए यहां तक कह दिया कि उस पर हत्या का मुकदमा चलना चाहिए। जब यह सब हो रहा था, तब भी कोई यह अनुमान लगाने में सक्षम नहीं था कि संक्रमण की दूसरी लहर सुनामी जैसा रूप धारण कर लेगी, लेकिन ऐसा ही हुआ। महामारी के शिकार लोगों की जो दर्दनाक कहानियां सामने आई हैं, उनसे लोग अंदर तक हिल गए हैं। लोग सरकारों को कोस रहे हैं। लोगों की नाराजगी स्वाभाविक है, लेकिन सुनामी सरीखी आपदा का सामना करने के लिए जो जीतोड़ कोशिश केंद्र सरकार ने की, उसे देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि वह हाथ पर हाथ रखे बैठी थी। इन दिनों यह सवाल भी उठ रहा है कि केंद्र सरकार ने पिछले साल नवंबर से लेकर इस मार्च तक ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की कि महामारी की दूसरी लहर का सामना किया जा सके? इस सवाल का जबाव यही है कि औरों की तरह उसे भी इसका भान नहीं था कि दूसरी लहर इस भयंकर गति से आएगी। सच तो यह है कि दूसरी लहर की आशंका जताने वाले स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ भी न तो उसकी तीव्रता का अनुमान लगा सके और न ही इसका कि वायरस का बदला हुआ रूप इस बार युवाओं को भी अपनी चपेट में ले लेगा। पिछली लहर के वक्त विपक्षी दलों ने केंद्र पर यह आरोप लगाया था कि सारे निर्णय उसने ले लिए और यदि राज्यों को जिम्मेदारी दी जाती तो स्थिति दूसरी होती। अगर यह सच है तो राज्य बताएं कि उन्होंने केंद्र के स्पष्ट निर्देश और धन आवंटन के बाद भी ऑक्सीजन प्लांट क्यों नहीं लगाए? वास्तव में राज्य सरकारें भी यह मानकर बैठ गई थीं कि यदि महामारी की दूसरी लहर आई भी तो पहले जैसी होगी। शायद ही किसी ने सोचा हो कि दूसरी लहर में ऑक्सीजन की मांग दस गुना बढ़ जाएगी और वह भी दस दिन के भीतर। भारत में ऐसी खतरनाक दूसरी लहर का अनुमान किसी अन्य देश का कोई स्वास्थ्य विशेषज्ञ या संगठन भी नहीं लगा सका।

इस सबके बाद भी इसमें दो राय नहीं कि हमारा स्वास्थ्य ढांचा पहले से ही चरमराया हुआ था। वह पहली लहर में ही नाकाफी साबित हुआ था। बीते एक साल में इस ढांचे में जो परिवर्तन लाए जाने चाहिए थे, वे नहीं लाए गए। न अस्पताल बेड बढ़ाए गए और न ही ऑक्सीजन प्लांट लगाने की चिंता की गई। स्थिति यह रही कि अस्पतालों को जो वेंटिलेटर दिए गए, वे बंद पड़े रहे। यह तब हुआ, जब प्रधानमंत्री मुख्यमंत्रियों को बार-बार आगाह करते हुए यहां तक कह रहे थे कि दूसरी लहर को तुरंत रोकना होगा, वरना वह देशव्यापी रूप ले सकती है। इसके अलावा केंद्र सरकार की टीमें राज्यों का दौरा भी कर रही थीं। जाहिर है कि केंद्र को कठघरे में खड़ा कर रहे राज्यों को अपने अंदर भी झांकना होगा। केवल कुंभ पर सवाल उठाना या बंगाल में प्रधानमंत्री की रैलियों को मुद्दा बनाना भी समस्या के एक पहलू पर ही जोर देना है, क्योंकि रैलियां तो विपक्षी नेता भी कर रहे थे। सच्चाई यह है कि बंगाल से अधिक संक्रमण दिल्ली, बेंगलुरु, गोवा आदि में फैला। यदि एक क्षण के लिए यह मान लें केंद्र समय पर नहीं चेता तो सवाल उठेगा कि आखिर राज्यों ने चेतने से क्यों इन्कार किया? कुंभ और बंगाल की रैलियों को मुद्दा बना रहे लोग यह न भूलें कि उन्हीं दिनों दिल्ली-मुंबई के बीच जमकर आवागमन हो रहा था और गोवा में छुट्टियां-पार्टियां मनाने वालों का तांता लगा हुआ था।

गोवा में संक्रमण गंभीर हुआ तो कुंभ नहाने या बंगाल की रैलियों में शामिल होने वालों के कारण नहीं। इसे विदेशी मीडिया का वह हिस्सा अवश्य समझे, जो दूसरी लहर से उपजे हालात को लेकर भारत को नीचा दिखाने में लगा हुआ है। विदेशी मीडिया को तो यह भी बताना चाहिए कि जब अमेरिका, इटली या ब्रिटेन में कोरोना संक्रमण चरम पर था, तब क्या उनके कैमरामैन-रिपोर्टर कब्रिस्तानों का हाल बयान कर रहे थे? देश का मनोबल गिराने वाली कवरेज से हमें सावधान रहना होगा और देसी-विदेशी मीडिया के शरारत भरे एजेंडे को समझना होगा। गिरा हुआ मनोबल और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप हमें महामारी से लड़ने में मदद नहीं करेगा। इस समय जरूरत इसकी है कि हम सकारात्मक रवैये के साथ कोविड प्रोटोकॉल को अपनाकर कोरोना से निपटने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मिलकर प्रयास करें।

फिर से आर्थिकी पर असर, विकास की धुरी पर घूमने वाला भारत आर्थिक दुष्चक्र में फंसकर उलझ सकता है

अभी देश में कोरोना की दूसरी लहर विकराल रूप लिए हुए है। यह जनता की घोर लापरवाही का दुष्परिणाम है अथवा फिर सरकार की नीतियों में कमी। फिलहाल कोई इसका जवाब देना नहीं चाह रहा है। बहरहाल सरकारें इससे निपटने के लिए अपने स्तर पर कहीं नाइट कर्फ्यू तो कहीं आंशिक तो कहीं पूर्ण लॉकडाउन तक लगा रही हैं। साथ ही चिकित्सा संबंधी सुविधा बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है, लेकिन हालात इस कदर बेकाबू हैं कि सारी कोशिशें मानो बौनी होती जा रही हैं। दुनिया के देशों ने भी दिल खोलकर भारत को मदद पहुंचाई है, मगर देश अभी राहत नहीं महसूस कर रहा है। कोरोना वायरस का साइड इफेक्ट आम जनमानस के दैनिक कामकाज पर भी आसानी से देखा जा सकता है। आंकड़े इशारा कर रहे हैं कि कोरोना ने भारत में करोड़ों लोगों को गरीबी में धकेल दिया है और मध्यम वर्ग की कमर टूट रही है। इसकी दूसरी लहर ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को भी प्रभावित किया है।

गौरतलब है कि कोरोना को रोकने के लिए विभिन्न राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन से लाखों श्रमिकों को अपने रोजगार से हाथ धोना पड़ा है। दैनिक खर्च चलाने के लिए कइयों को कर्ज लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट पर नजर डालें तो पता चलता है कि कोरोना वायरस की सबसे बड़ी मार गरीबों पर पड़ी है। मार्च 2020 से अक्टूबर 2020 के बीच देश में 23 करोड़ गरीब मजदूरों की कमाई कम हो गई। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट है कि उस दौरान शहरी इलाकों में गरीबी 20 फीसद, जबकि ग्रामीण इलाकों में 15 प्रतिशत तक बढ़ी। जाहिर है इस दूसरी लहर के बाद देश में गरीबी की स्थिति और भयावह होगी। ध्यान रहे कि 41 करोड़ से अधिक श्रमिक देश में काम करते हैं जिन पर कोरोना का बढ़ता संक्रमण इन दिनों कहर बनकर टूटा है।झ

अमेरिकी रिसर्च एजेंसी प्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़ों पर विश्वास करें तो कोरोना महामारी के चलते भारत के मध्यम वर्ग भी खतरे में है। गौरतलब है कि भारत में मध्यम वर्ग का आकार पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा था, मगर कोरोना ने कई ऐसे परिवारों को फिर बेपटरी कर दिया है। कोरोना से पहले देश में मध्यम वर्ग की श्रेणी में करीब 10 करोड़ लोग थे अब यह संख्या घटकर सात करोड़ से भी कम हो गई है। वास्तव में जिनकी प्रतिदिन आय 50 डॉलर या उससे अधिक है वे उच्च श्रेणी में आते हैं, जबकि प्रतिदिन 10 डॉलर से 50 डॉलर तक की कमाई करने वाला मध्यम वर्ग में आता है। खास यह भी है कि चीन की तुलना में भारत के मध्यम वर्ग की संख्या में अधिक कमी और गरीबी में भी अधिक वृद्धि होने की संभावना देखी जा रही है। साल 2011 से 2019 के बीच करीब छह करोड़ लोग मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल हुए थे, मगर कोरोना ने एक दशक की इस वृद्धि को एक साल में ही घटा दिया। कोरोना से बिगड़े आर्थिक हालात को देखते हुए मोदी सरकार द्वारा मई 2020 में 20 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक पैकेज भी आवंटित किया गया, मगर भीषण आर्थिक तबाही का सिलसिला जारी रहा। परिणामस्वरूप लाखों लोग गरीबी में गुजर-बसर के लिए मजबूर हो गए हैं।

दरअसल कई लोगों के काम-धंधे पहले ही बंद हो गए थे। वहीं कल कारखानों के ताले अभी खुले नहीं थे कि कोरोना की दूसरी लहर आ गई। ऐसे में गांव से शहर तक रोजी-रोजगार का संकट आज भी बरकरार है। जाहिर है यह आर्थिक दुष्चक्र अभी बना रहेगा। पहली लहर में 14 करोड़ लोगों का एक साथ बेरोजगार होना काफी कुछ बयां कर देता है। यह दूसरी लहर भी इसमें कुछ बढ़ोतरी ही करेगी। एक यक्ष प्रश्न यह भी है कि कोरोना वायरस ने इतनी बड़ी तबाही मचा दी। देश लगातार मुसीबतों को झेलता रहा। बावजूद इसके इससे निपटने के लिए एक समग्र राष्ट्रीय नीति अभी तक सामने क्यों नहीं आई है? कोरोना को आए एक साल से अधिक समय हो गया, अब दूसरी लहर उफान पर है, जबकि तीसरी लहर की संभावना भी व्यक्त की जा चुकी है। यदि लहर पर लहर आती रही और इसका निस्तारण समय रहते न हुआ तो इसमें कोई शक नहीं कि देश में गरीबों की तादाद और बढ़ेगी। भुखमरी और कुपोषण के आगोश में करोड़ों समाएंगे। लिहाजा विकास की धुरी पर घूमने वाला भारत आर्थिक दुष्चक्र में फंसकर उलझ सकता है।

सुशासन की अवधारणा इसमें मददगार साबित हो सकती है। अभिशासन के सिद्धांत में इस बात पर जोर दिया गया है कि सुशासन तब होता है जब सरकार अपने व्यय में मितव्ययिता बरतती है, अपनी शक्तियों को कम करती है, विनम्र भूमिका निभाती है और लोक सशक्तीकरण की ओर झुकी होती है। मौजूदा हालात में यह समय की मांग भी है। सरकार इस मामले में कितनी खरी उतरती है यह देखने वाली बात होगी। सरकार के अलावा जनता को भी यह विचार करना है कि देश आखिर कोरोना के इस भंवरजाल से कैसे बाहर निकले। उसे भी अनुशासन का परिचय देना होगा। अब समय रहते दोनों को होश में आ जाना चाहिए, ताकि सभ्यता, संस्कृति और देश सभी को आसानी से पटरी पर लाया जा सके।

सोशल मीडिया पर शिकंजा

इस साल 25 फरवरी को घोषित नए आईटी कानूनों को लागू करने के सवाल पर केंद्र सरकार और सोशल मीडिया कंपनियां आमने-सामने हैं। वॉट्सऐप तो इन कानूनों के कुछ प्रावधानों को असंवैधानिक और निजता के अधिकार का उल्लंघन बताते हुए इनके खिलाफ कोर्ट चला गया है। ट्विटर ने अदालत की शरण भले न ली हो, लेकिन एक बयान जारी कर कहा है कि वह इन कानूनों के उन प्रावधानों में बदलाव की वकालत करता रहेगा, जो अभिव्यक्ति की आजादी में बाधा डालते हैं। अन्य सोशल मीडिया कंपनियों ने कानून का पालन करने की मंशा जरूर जताई है, लेकिन वे भी अलग-अलग तरीकों से यह संकेत दे रही हैं कि इन कानूनों का पालन करने में काफी मुश्किलें हैं। जहां तक सरकार की बात है तो उसने अपना कड़ा रुख कायम रखते हुए वॉट्सऐप की आपत्तियों का तत्काल जवाब दिया। उसका कहना है कि लोगों के निजता के अधिकार का वह भी सम्मान करती है, लेकिन कोई भी अधिकार संपूर्ण नहीं होता। उसका कहना है कि एंड-टु-एंड एनक्रिप्शन भंग होने की जो बात वॉट्सऐप कह रहा है, वह आम यूजर्स के केस में वैसे भी लागू नहीं होती।

यह कानून सिर्फ उन्हीं मामलों में लागू किया जाएगा, जहां देश की सुरक्षा, विदेश से संबंध और सार्वजनिक शांति व्यवस्था जैसे मामले जुड़े होंगे। हालांकि सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने, इनके जरिए फेक न्यूज फैलाने की जितनी शिकायतें आ रही हैं, उसके मद्देनजर इस पर विवेक का अंकुश लगाने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर ध्यान देने की बात यह भी है कि यह कानून सिर्फ सोशल मीडिया कंपनियों पर नहीं बल्कि मीडिया संस्थानों के डिजिटल संस्करणों पर भी लागू किया जाना है, जिनमें कॉमेंट सेक्शन होते हैं। इस पर अलग से भी काफी कुछ कहा जा चुका है कि मीडिया संस्थानों को इसमें शामिल करना न केवल अनावश्यक बल्कि खतरनाक भी है। लेकिन अभी तक सरकार ने इन कानूनों में किसी तरह का बदलाव लाने का संकेत नहीं दिया है। दूसरी बात यह कि कौन सा कंटेंट आपत्तिजनक माना जाएगा, यह तय करने का कोई आधार स्पष्ट नहीं है। जाहिर है, सोशल मीडिया कंपनियों को सभी कॉमेंट्स और संदेश अपने दायरे में रखने होंगे। पता नहीं किस कॉमेंट को आपत्तिजनक मान लिया जाए, किन संदेशों की ओरिजिन पूछ दी जाए। यानी वॉट्सऐप मेसेज भी भेजने वाले और पाने वाले के बीच सीमित चीज नहीं रह जाएंगे। भले सरकार कह रही हो कि इस कानून का इस्तेमाल सिर्फ उन्हीं मामलों में किया जाएगा, जिनमें और कोई उपाय न रह गया हो, लेकिन कोई उपाय रह गया है या नहीं, यह भी तो सरकार ही तय करेगी। पिछले दिनों सरकार ने सोशल मीडिया के खिलाफ जिस तरह का रुख दिखाया है, उससे संदेह बढ़ा है। बेहतर होगा कि सरकार इस मामले में बलपूर्वक आगे बढ़ने के बजाय बातचीत के जरिए संदेह दूर करते हुए आगे बढ़े।

तहस-नहस अर्थव्यवस्था और बर्बादी के कगार पर खड़े लोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं

संकट की भयावहता को देखते हुए इतना बड़ा वित्तीय प्रोत्साहन बिल्कुल उचित है। तहस-नहस होती अर्थव्यवस्था और बर्बादी के कगार पर खड़े लोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं यह समझा जाना चाहिए कि तहस-नहस होती अर्थव्यवस्था और बर्बादी के कगार पर खड़े लोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक को दूसरे से अलग करके देखा नहीं जा सकता। अगर हमारी नीतियां लोगों की सिमटती आमदनी और जाते रोजगार को वापस पूर्वस्थिति पर बहाल करने में कामयाब रहती हैं तो निःसंदेह अर्थव्यवस्था भी पटरी पर आती नजर आएगी।

आज देश कोरोना की दूसरी लहर के कारण युद्ध स्तरीय संकट के दौर से गुजर रहा है। इस स्थिति में डूबती सांसों के बीच प्राणों को बचाना ही हमारा एकमात्र ध्येय होना चाहिए, लेकिन इसके पश्चात बचा ली गई और बड़ी संख्या में उजड़ गई जिंदगियों को वापस पटरी पर लाने की अहमियत से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। हालांकि कोरोना के आने के पहले भी हमारे हालात कुछ अच्छे नहीं थे। भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले कई दशकों की अपनी सबसे लंबी मंदी के दौर से गुजर रही थी। और फिर विरासती समस्याएं तो थी हीं, मसलन रोजगार सृजन की धीमी दर और कामगार तथा कार्यस्थलों की स्थिति में सुधार के प्रति राजनीतिक प्रतिबद्धता का अभाव। सच कहें तो बगैर किसी सामाजिक सुरक्षा के कामकाजी वर्ग का एक बड़ा तबका किसी आकस्मिक संकट का सामना करने की स्थिति में नहीं था। इन सबके बावजूद धीमी रफ्तार से ही सही, देश का आर्थिक विकास तो हो ही रहा था। अर्थशास्त्रियों के आकलन के हिसाब से एक साल में करीब पांच करोड़ लोग न्यूनतम मजदूरी आय सीमा (375 रुपये प्रति दिन) के ऊपर आ जाते, लेकिन इस महामारी ने न केवल ऐसा नहीं होने दिया, बल्कि इस आय सीमा से ऊपर के करोड़ों लोगों को नीचे भी धकेल दिया।

आज जब देश की 98 फीसद आबादी फिर से किसी न किसी प्रकार की तालाबंदी के साए में आ चुकी है तो सरकार का पहला और सबसे बड़ा दायित्व पिछले साल की त्रासदी की पुनरावृत्ति को रोकना होना चाहिए। हालांकि आय में गिरावट चौतरफा हुई, फिर भी महामारी की मार गरीब घरों

पर ज्यादा पड़ी है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार गत वर्ष अप्रैल और मई के महीनों में सबसे ज्यादा गरीब 20 फीसद परिवारों ने कुछ भी नहीं कमाया था। जबकि समृद्ध परिवारों की आमदनी में गिरावट महामारी पूर्व की तुलना में एक चौथाई से भी कम हुई थी। साथ ही मार्च-अक्टूबर के दौरान सबसे गरीब 10 फीसद परिवारों को 15,700 रुपये प्रति परिवार के हिसाब से नुकसान हुआ। यह रकम उनकी दो महीनों की आय से कुछ ज्यादा ही है। जहां नौकरियां बची रहीं या फिर वापस मिल गईं, वहां भी आमदनी पहले जैसी नहीं रही। बदतर होते हालात का एक अहम पहलू था लोगों की आय में आई भारी गिरावट। परिवारों ने कम खाना खाकर, उधार लेकर और परिसंपत्तियों को बेचकर इस संकट से जूझने की कोशिश की।

सरकारी राहत से संकट के सबसे भयानक रूपों से बचाव तो हुआ, लेकिन सहायता के उपायों की पहुंच अधूरी रही और कुछ सबसे कमजोर वर्ग उनसे वंचित रहे। जाहिर है कि देश में अतिरिक्त सरकारी सहायता की अभी दो कारणों से तत्काल आवश्यकता है। पिछले वर्ष के दौरान हुए नुकसान की भरपाई और दूसरी लहर के आशंकित प्रभाव से बचाव के लिए। इस संबंध में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत सभी लाभार्थियों को भारत सरकार लगातार अन्न और दालें उपलब्ध कराने का बेहद जरूरी काम कर रही है। इस कार्यक्रम को कम से कम इस साल के अंत तक जारी रखने की जरूरत है। जून 2021 के बाद इसे बंद कर देने से हालात संभल नहीं पाएंगे और किए-कराए पर काफी हद तक पानी फिर जाने करने की आशंका रहेगी। यथासंभव अधिक से अधिक खस्ताहाल परिवारों को तीन महीने के लिए 5,000 रुपये नकद दिए जाने चाहिए। देखा जाए तो मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा कवच के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2020 तक 252 करोड़ से अधिक व्यक्ति-दिवस के कार्य संपन्न हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 43 फीसद अधिक हैं। मनरेगा में पिछले वर्ष की तुलना में एक करोड़ अधिक परिवारों ने काम किया, लेकिन कई लोगों को काम चाहते हुए भी नहीं मिला। पिछले साल अप्रैल के बाद से उन ग्रामीणों में से केवल 55 प्रतिशत को ही काम दिया जा सका था, जो काम की मांग कर रहे थे। इसके अलावा जिन्हें काम मिला वे और अधिक दिन काम करना चाहते थे। ऐसे में जरूरी है कि मनरेगा की पात्रता में 150 दिनों का विस्तार हो और इसकी मजदूरी बढ़ाकर राज्य की न्यूनतम मजदूरी स्तर पर लाई जाए। इसके लिए इसके बजट को बढ़ाकर कम से कम 1.75 लाख करोड़ रुपये तक करना होगा। साथ ही सर्वाधिक प्रभावित जिलों में महिला श्रमिकों पर केंद्रित एक शहरी रोजगार कार्यक्रम शुरू किया जाना चाहिए। इसके अलावा वृद्धावस्था पेंशन में केंद्रीय योगदान में कम से कम 500 रुपये की बढ़ोतरी होनी चाहिए।

आंगनबाड़ी और आशा के 25 लाख कार्यकर्ताओं को छह महीने के लिए 30,000 रुपये (5,000 रुपये प्रति माह) का कोविड कठिनाई भत्ता मुहैया कराया जाना चाहिए। इन उपायों पर लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा, जिससे कोविड राहत पर कुल राजकोषीय परिव्यय दो वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.5 प्रतिशत हो जाएगा। संकट की भयावहता को देखते हुए इतना बड़ा वित्तीय प्रोत्साहन बिल्कुल उचित है। तहस-नहस होती अर्थव्यवस्था और बर्बादी के कगार पर खड़े लोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं यह समझा जाना चाहिए कि तहस-नहस होती अर्थव्यवस्था और बर्बादी के कगार पर खड़े लोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक को दूसरे से अलग करके देखा नहीं जा सकता। अगर हमारी नीतियां लोगों की सिमटती आमदनी और जाते रोजगार को वापस पूर्वस्थिति पर बहाल करने में कामयाब रहती हैं तो निःसंदेह अर्थव्यवस्था भी पटरी पर आती नजर आएगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

इंदौर : 16 करोड़ रु.लागत की दो लाख आरएटी किट दान देगी संस्था

इंदौर। कोरोना के विरुद्ध जारी युद्ध में शासन-प्रशासन को दानदाताओं द्वारा निरंतर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। मंगलवार को पाथ एवं देसाई फाउंडेशन ने एबॉट कंपनी द्वारा निर्मित बाइनेक्स नाउ के रैपिड एंटीजन टेस्ट किट जिला प्रशासन को भेंट किए। प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, गौरव रणदिवे एवं संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा की उपस्थिति में प्रथम चरण में 10 हजार किट स्वास्थ्य विभाग को सौंपी गईं। इसी तरह दो अन्य चरणों में लगभग 16 करोड़ रुपए के लागत की कुल दो लाख आरएटी किट इंदौर संभाग में उपयोग के लिए दान की जाएंगी। श्री सिलावट ने पाथ एवं देसाई फाउंडेशन द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग का आभार मानते हुए कहा कि इंदौर दानदाताओं की नगरी है। इस समय में सहयोग एवं एकजुटता की मिसाल इंदौर शहर ने पेश की है।

दमोह : गाली देने से युवक ने रोका तो कुल्हाड़ी से की हत्या

दमोह। जबेरा थाना की सिग्रामपुर चौकी क्षेत्र में मंगलवार को पंचु पुत्र उजियार सिंह 36 वर्ष निवासी डगरा मौहल्ला की कुछ युवकों को गालीगलौज करने से मना करने पर युवकों ने कुल्हाड़ी से हमला कर युवक को मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद आरोपी मौके से भाग गए। हालांकि पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं दो अन्य की तलाश जारी है। आरोपियों और मृतक में पूर्व से विवाद था और फिर विवाद हुआ था। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक सिग्रामपुर दोपहर को अपने घर पर भोजन कर रहा था। घर के बाहर उमाशंकर तिवारी व उसके पुत्र अनिल, ऋषि, लालू सभी निवासी टगरा वहां पहुंचे और मृतक के परिजन संजय सिंह विवाद कर रहे थे। बढ़ते विवाद पर मृतक वहां पहुंचा और आरोपियों ने उसपर कुल्हाड़ी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया।

सीधी : झाड़ी में बिलखती मिली चार माह की मासूम

सीधी। चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत सेमरिया चौकी के भोलगढ़, बढ़ौरा मार्ग के ग्राम करणपुर में मंगलवार की सुबह करीब 6 बजे एक झाड़ी के पीछे लगभग चार माह की रोती बिलखती बच्ची मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शी नागेंद्र यादव 35 वर्ष पिता लालमन यादव ग्राम बेल्दह निवासी ने बताया कि वह सूखी लकड़िया लेने के लिए जंगल जा रहा था जहां देखा कि एक दो लोग खड़े हैं। वहां काले रंग के कपड़े और सफेद तोलिया में लपेटी एक झाड़ के पीछे बच्ची रो रही थी। उक्त घटना स्थल पर आवारा कुत्ते भी घूम रहे थे, तब रो रही बच्ची को मैंने उठा लिया, कुछ समय बाद यह बात आग की तरह गांव में फैल गई। बच्ची के संदर्भ मे स्थानीयजनों से पूछतांछ की गयी किन्तु कोई जानकारी न प्राप्त होने पर सोशल मीड़िया के माध्यम से मदद की गुहार लगाई गई।

नरसिंहपुर : चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर दीं सेवाएं

नरसिंहपुर। मंगलवार को जिले के चिकित्सकों ने आईएमए के आह्वान पर काली पट्टी बांधकर कार्य किया और दोपहर में कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन सौंपकर बाबा रामदेव पर कठोर कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन देने डॉ.संजीव चांदोरकर, डॉ.मनीष सिसोदिया,डॉ.पराग पराडकर,डॉ. आशीष उपाध्याय, डॉ.हंसराज, डॉ.शशिकांत अग्रवाल, डॉ.भानुप्रताप पटैल, डॉ.अभिजीत नीखरा आदि ने बताया कि रामदेव ने वेतुकी बात कर देशवासियों को भ्रमित करने का प्रयास किया है। उनके बयान से लोगों में वेवजह की भ्रांतियां और शंका उत्पन्न हो सकती हैं जो कि सभी के स्वस्थ व देश के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। साथ ही टीकाकरण अभियान को भी उनके बयान से नुकसान हो सकता है। ज्ञापन में कहा गया है कि रामदेव ने जिस भाषा का प्रयोग किया है वह घोर निंदनीय व आपत्तिजनक है।

इंदौर : गरज व चमक के साथ फिर बरसे बादल

इंदौर। मंगलवार को प्री-मानसून की बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया। शाम तक 3.8 मिमी बारिश दर्ज हुई। हालांकि कई इलाकों में काफी तेज बारिश हुई, जिससे थोड़ी ही देर में पानी भरा गया। मौसम विभाग ने प्री-मानसून की गतिविधियां जारी रहने की उम्मीद जताई है। मंगलवार को सुबह अच्छी धूप खिली और तेज गर्मी, उमस ने लोगों को परेशान किया। दोपहर तक मौसम सामान्य था, लेकिन शाम होते-होते आसमान पर काले बादल छाने लगे और बादलों की तेज गर्जना और बिजली गिरने के साथ बारिश शुरू हुई। इस दौरान हवा का वेग भी काफी तेज रहा। शहर में लगभग पौन घंटे तक बारिश हुई। पूर्वी और मध्य क्षेत्र में काफी तेज रफ्तार से बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार शाम को लगभग 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चली और 3.8 मिमी बारिश दर्ज हुई।

जगदलपुर : कोण्डागांव में नक्सली मुठभेड़ , दो की मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिले में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में मंगलवार को एक महिला समेत दो नक्सली मारे गए। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुदंरराज पी ने बताया कि कोण्डागांव जिला के धनोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नक्सलियों की उपस्थितियों की सूचना मिली। कोण्डागांव जिला मुख्यालय से जिला रिर्जव बल के जवान थाना धनोरा क्षेत्र के अन्तर्गत भण्डार पहाड़ी के पास पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड में एक महिला सहित दो नक्सली मारे गए और उनका शव बरामद किया गया जिनका शिनाख्त किया गया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से एक नग एसएलआर एक नग 303 रायफल तीन नग बाराबोर रायफल पिठू बेनर पोस्टर एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद की गई।

पन्ना में रेत माफिया का भाजपा नेता पर हमला, पांच गिरफ्तार

मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने की घटना की निंदा , कलेक्टर-एसपी को दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

पन्ना, (एजेंसी)। जिले में भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशल किशोर लोधी पर रॉड से हमला कर दिया, जिससे उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हमले का आरोप रेत कारोबारी रश्मीत मल्होत्रा कंपनी के लोगों पर है। मामले में पुलिस ने मंगलवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रदेश के खनिज एवं श्रम मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह ने इस घटना की निंदा की है। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। श्री सिंह ने इस मामले में पुलिस अधीक्षक व कलेक्टर से बात कर हमलावरों को शीघ्र गिरफ्तार कराने के निर्देश दिए थे। श्री सिंह ने हमले में घायल श्री लोधी से जिला अस्पताल जाकर भेंट कर घटना की जानकारी ली। श्री लोधी को बेहतर उपचार के लिए पन्ना जिला अस्पताल से जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक घायल कौशल किशोर के भाई शिवकिशोर लोधी पिता रामनिरंजन लोधी उम्र 28 वर्ष निवासी दुर्गापुर ने बताया कि 31 मई की रात 9 बजे करीब उसका अपना ट्रैक्टर खाली चालक लेकर

चंपतपुर जा रहा था। तभी बोलेरो ट्रैक्टर के आगे खड़ी कर दी गई। बोलरो गाड़ी से चार-पांच लोग थे। वह ट्रैक्टर के आगे खड़ी करके बोले कि तुम रेत खाली करके आ रहे हो। वह रेत ठेकेदार के लोग बताए जा रहे है। चालक ने ट्रैक्टर सड़क किनारे खड़ा किया और बड़े भाई कौशल किशोर को फोन लगाया जो कुछ ही देर में एक बोलेरो से मौके पर पहुंचे। लोगों ने उन पर राड से हमला कर दिया। वह वहीं लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया एवं बेहोश हो गया। मौके पर पहुंची धरमपुर पुलिस कौशल किशोर को अजयगढ़ अस्पताल लाया गया। जहां से जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

भिंड में तीन हथियारबंद डकैत गिरफ्तार

भिंड। जिले में पुलिस ने राधे-राधे गैंग के मुख्य सरगना सहित तीन आरोपियों को पकड़ा है। भिण्ड जिले के गोहद एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने मंगलवार को यहां बताया कि मुखबिर से सोमवार देर रात सूचना मिली थी कि कुख्यात राधे-राधे गैंग के बदमाश डकैती की योजना बना रहे हैं। इस पर घेराबंदी गैंग का सरगना उदयवीर सिंह गुर्जर, राहुल सिंह गुर्जर और भोला सिंह गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया। इस गैंग के अन्य सदस्य अनुज राजावत, कौशल गुर्जर और भूरा गुर्जर पुलिस पर फायरिंग कर भाग गए। पुलिस ने बताया कि यह बदमाश अपने शौक पूरे करने के लिए लूट की वारदात को अंजाम देते है। इन्होंने अपने गैंग का राधे-राधे नाम रखा। जिससे कोई साथी यदि पकड़ जाता है तो वे सोशल मीडिया पर राधे-राधे लिख देते जिससे सभी साथी सतर्क हो जाते है और अपने मोबाइल बंद कर लेते हैं। इस गैंग के सदस्यों पर ग्वालियर, दतिया, भिण्ड व मुरैना में अपराध पंजीबद्ध है। इस गैंग का सरगना उदय वीर गुर्जर है जिस पर 21 अपराध दर्ज है। इसी तरह से राहुल गुर्जर पर आठ व भोला पर पांच अपराध दर्ज है। यह बदमाश फिल्मी स्टाइल में लूट करते थे। पकड़े गए तीनों बदमाशों से तीन कट्टे 315 बोर के तीन जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल व शिफ्ट कार मिली।

सांसद-मंत्री ने बिना हेलमेट के चलाई बुलेट, एक बाइक सवार भिड़ा

यातायात थाने जाकर कटवाया 250 रुपए का चालान

उज्जैन, (एजेंसी)। उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने बिना हेलमेट पहने बाइक चलाई, इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार से टक्कर भी हो गई। बाद में जब मीडिया वालों ने सांसद से ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल पूछा, तब उन्होंने यातायात थाने जाकर 250 रुपए का चालान कटवाया।

दरअसल, मंगलवार सुबह 6 बजे कृषि मंडी से उज्जैन में अनलॉक प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान मंत्री और सांसद बाइक से ही निकल गए, लेकिन दोनों हेलमेट पहनना भूल गए। मंडी से बुलेट पर बैठकर निकले मंत्री और सांसद में से किसी ने हेलमेट नहीं पहनी थी। सांसद अनिल फिरोजिया बुलेट चला रहे थे, जबकि कैबिनेट मंत्री मोहन यादव उनके पीछे बैठे थे। इसी बीच बाजार में एक मोटरसाइकिल सवार ने उनके बुलेट को टक्कर मार दी, जिससे मोहन यादव मामूली रूप से घायल भी हो गए। इसके बाद जब मीडिया ने सांसद से बगैर हेलमेट बाइक चलाने को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने अपनी गलती मानी और यातायात थाने पहुंचे। थाने में पुलिस ने सांसद पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत ट्रैफिक नियम के उल्लंघन पर 250 रुपए का चालान काट दिया।

प्रतिष्ठानों को लेकर जारी दिशा निर्देशों पर लोगों में दिखा भ्रम

अनलॉक के पहले दिन व्यापारियों-प्रशासन में टकराव, किया विरोध

कई जगह सोशल डिस्टेंसिंग दरकिरार कर नजर आई भीड़

जबलपुर, (एजेंसी)। लंबे लॉकडाउन के पश्चात शर्तों के साथ अनलॉक की प्रक्रिया मंगलवार से प्रारंभ हुई। जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों को लेकर प्रातः से ही लोगों में भ्रम की स्थिती देखी गई। वहीं शहर के मुख्य व्यापारिक क्षेत्रों में प्रशासन और व्यापारियों के बीच टकराव की स्थिती भी निर्मित हुई। बड़ा फुहारा क्षेत्र में कपड़ा व्यापारियों एवं सराफा क्षेत्र में सराफा व्यवसायियों की ओर से निर्धारित गाइडलाइन का विरोध करते हुए दुकानें खोलने की बात कही गई वहीं मौजूदा पुलिस बल उन्हें दुकाने बंद रखने की ताकीद देता रहा।

व्यापारियों एवं प्रशासन के टकराव के बीच क्षेत्रीय विधायक विनय सक्सेना एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव भी मौके पर पहुंचे एवं पुलिस व जिला प्रशासन के सामने व्यापारियों का पक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान लम्बे समय तक टकराव की स्थिती के बीच भारी भीड़ जुटी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार प्रातः मंडी निवाड़गंज में थोक एवं फुटकर व्यापारियों द्वारा इसी प्रकार जिला प्रशासन के साथ तीखी बहस की गई। जिले में व्यापारिक गतिविधियों को अनलॉक करने को लेकर जबलपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं महाकौशल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पदाधिकारियों एवं संबद्ध संस्थाओं के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रस्ताव पारित कर निर्णय जिला प्रशासन के समक्ष भेजा मांग की है कि सभी दुकानों को अनलॉक का हिस्सा बनाकर 2 जून से खुला रखने व कोविड प्रतिरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए व्यापार करने अनुमति प्रदान की जाये।

इंदौर में दिखाई प्रशासन ने सख्ती, प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन करने पर 20 दुकानें सील

इंदौर। कलेक्टर मनीष सिंह द्वारा धारा 144 के अंतर्गत जारी किए गए प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन करने पर मंगलवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 20 दुकानें सील करने की बड़ी कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिबंध के बावजूद भी संचालित की जा रही दुकानें एवं वे दुकाने जहां कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन होता पाया जा रहा था उन्हें सील कर आईपीसी की धारा 188 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध करने की कार्रवाई की गई। मंगलवार को एसडीएम विशाखा देशमुख द्वारा संयोगितागंज थाना क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद खोले गए तीन रेस्टोरेंट आकाश माही रेस्टोरेंट, जय श्री महाकाल रेस्टोरेंट एवं काव्या चाट सेंटर को सील कर प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। एसडीएम मल्हारगंज पराग जैन द्वारा कुल 5 दुकानों को सील कर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी तरह एसडीएम शाश्वत शर्मा द्वारा छत्रीपुरा थाना क्षेत्र में स्नेहा ऑटो पार्ट्स, न्यू खनूजा टायर सर्विस मार्केट एवं जय अम्बे टिंबर्स द्वारा कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन किए जाने पर उक्त दुकानों को सील किया। एसडीएम नरेंद्र पांडे द्वारा जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में 7 और पंडरीनाथ थाना क्षेत्र में दो दुकानों को सील कर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

अनोखी सजा : बिना मास्क घूमने वालों को पैदल चलाया, लगवाए मास्क जरूरी है के नारे

सिंगौरौली। बिना मास्क के लोग सामान बेच रहे थे तो वहीं दूसरी ओर खरीददार भी बिना मास्क के सामानों की खरीदी कर रहे थे जिन्हें मोरवा पुलिस ने अनोखी सजा दी है। मोरवा थाना अंतर्गत बाजारों में बिना मास्क के लोग सामान बेच रहे थेए तो वही ग्राहक भी बिना मास्क के सामान खरीद रहे थेए हमने कुल ऐसे 34 लोगों को पकड़ा है। पहले हमने उन लोगों को जो व्यक्ति लापरवाही कर रहे थे उन्हें 2 घंटे फल मंडी स्थित खुली जेल में रखे एवं उसके बाद फल मंडी से लेकर सरस्वती विद्यालय तक पैदल चलवाया, इसके अलावा पकड़े गए लोगों के द्वारा मास्क लगाना कितना जरूरी है नारे भी लगवाए। आखिर में जो व्यक्ति बिना मास्क थे उन्हें मास्क भी दिया गया,।

मुरैना में ओडिशा से आ रहा तीन करोड़ का गांजा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

ट्रक में स्टेशनरी के बीच छिपाया 13 क्विंटल गांजा

मुरैना, (एजेंसी)। जिला पुलिस ने एक ट्रक से तीन करोड़ रुपए का अवैध गांजा बरामद कर दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त किया है।

पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि जिले की बानमोर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा राज्य से स्टेशनरी से भरे एक ट्रक में छिपाकर गांजा तस्कर बड़ी मात्रा में अवैध गांजा उत्तरप्रदेश के आगरा की ओर ले जाया जा रहा है। पुलिस ने एक योजनाबद्ध तरीके से आगरा- मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बानमोर के समीप ट्रक की घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने ट्रक से 13 क्विंटल 50 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पुलिस ने मौके से दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार तीन गांजा तस्कर पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गए हैं,

जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। गिरफ्तार किए गए गांजा तस्करों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उक्त गांजे को उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में खपाने के लिये लाया गया था। पुलिस आरोपियों से अभी पूछताछ कर रही है।

पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार

विदिशा, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा का मंगलवार को विदिशा जिले में स्थित गृहनगर सिरोंज में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

श्री शर्मा का सोमवार रात भोपाल के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। साठ वर्षीय श्री शर्मा को कुछ समय पहले कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद इलाज के लिए ले जाया गया था। श्री शर्मा का अंतिम संस्कार कोविड प्रोटोकाल के तहत किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ पंकज जैन और पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा भी मौजूद थे। श्री शर्मा को अंतिम विदायी के समय पुलिस की टुकड़ी ने 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। अंतिम यात्रा में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को आवश्यक उपाय करने पड़े। श्री शर्मा सिंरोज

विधानसभा क्षेत्र से 1993 में भाजपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे। इसके बाद भी वे यहां से जीते और भाजपा सरकार में उच्च शिक्षा, जनसंपर्क और अन्य महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे थे।

शिक्षा को विद्यार्थी परक बनाने में आधुनिक तकनीक का करें उपयोग : आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल ने पं. एसएन शुक्ला विवि के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह को किया संबोधित

भोपाल, एजेंसी। मप्र की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि शिक्षा को विद्यार्थी परक बनाने में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने मंगलवार को प्रदेश के शहडोल स्थित पंडित एसएन शुक्ला विश्वविद्यालय के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर 'विश्वविद्यालय प्रबंधन : महामारी के परिप्रेक्ष्य में चुनौती एवं संभावनाएं' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को ऑनलाइन उत्तरप्रदेश के लखनऊ राजभवन से संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण आज हमारे समक्ष अनगिनत चुनौतियां हैं, लेकिन इसमें अवसर भी हैं। आवश्यकता, स्वमूल्यांकन, स्पष्ट कार्य योजनाओं एवं दृढ़ संकल्प के साथ चुनौतियों का निदान करते हुए छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की है। ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था भविष्य की व्यवस्था है,जिसका उपयोग शिक्षा को

विद्यार्थी परक बनाने में किया जाना चाहिए। यह कार्य कक्षा के सभी छात्र-छात्राओं को एक समान मानने के बजाय उनकी रुचि, विशेषता और कमजोरियों के हिसाब से अतिरिक्त शिक्षण सामग्री उपलब्ध करा कर किया जा सकता है।

शिक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. यादव

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रोजगार परक शिक्षा में ही शिक्षण संस्थाओं की उपादेयता होती है। विश्वविद्यालय द्वारा नए पाठ्यक्रमों का प्रारंभ, इस दिशा में सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रमों की संरचना स्थानीय मूल्यों और समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए।

चलती ट्रेन में चाकू से गला रेतकर युवती की हत्या, डेढ़ घंटे रुकी रही ट्रेन

सीहोर। इंदौर से बिलासपुर जा रही नर्मदा एक्सप्रेस में मंगलवार रात को एक युवती का चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। ट्रेन में सवार अन्य यात्रियों की खून से लथपथ इस युवती पर नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद सीहोर स्टेशन पर ट्रेन को रोककर शव को नीचे उतारा और पीएम के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

मंडी टीआइ मनोज मिश्रा ने बताया कि इंदौर निवासी मुस्कान हाड़ा (27) नर्मदा एक्सप्रेस 08233 की डी3 स्लीपर कोच में सवार होकर अपने भाई से मिलने भोपाल आ रही थी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने मुस्कान पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी ने शुजालपुर-सीहोर के बीच घटना को अंजाम दिया और फरार हो गया। यात्रियों को लेकर जा रही ट्रेन सीहोर रेलवे स्टेशन पर डेढ़ घंटे रात साढ़े 10 बजे तक खड़ी रही।

प्रदेश में मिले कोरोना के 1078 मरीज, 45 की मौत

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में मंगलवार को 1078 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। वही 45 लोगों की मौत हुई है। अब सक्रिय मामले घटकर 20303 हो गए।

राज्य के स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार 69649 सैंपल की जांच में 1078 पॉजीटिव मिले और 68,571 निगेटिव रहे। हालाकि 757 सैंपल रिजेक्ट हुए और संक्रमण दर 1.5 प्रतिशत रही। बुलेटिन के अनुसार 1078 नए मामले आने के बाद राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,81,108 हो गई। इनमें से 752693 लोग कोरोना संक्रमण को मात देकर घर पहुंच चुके है। इस संक्रमित महामारी ने राज्य में 8112 लोगों की जान ले चुका है। वर्तमान में सक्रिय मामले घटकर 20,303 हो गए हैं। राज्य में सबसे अधिक मामले 362 इंदौर जिले में दर्ज किए गए। इसके अलावा भोपाल में 221, ग्वालियर में 41, जबलपुर में 98, उज्जैन में 9, रतलाम में 24, सागर में 15, रीवा में 14, खरगोन में 12, बैतूल में 9 और धार में 14 नए मामले सामने आए। अब प्रदेश के इंदौर जिले में ही 5 फीसदी से अधिक पॉजिटिविटी है। शेष 51 जिलों में 5 प्रतिशत से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है।

जीजा लूटता रहा आबरू और भांजा बनाता रहा वीडियो

पुलिस ने आरोपी मामा-भांजे को किया गिरफ्तार

जबलपुर। रांझी क्षेत्र निवासी की युवती को उसके बुआं के दामाद ने हवस का शिकार बनाया, इतना ही नहीं वारदात के दौरान आरोपी का भांजा भी मौजूद रहा, जो कि पूरी वारदात की वीडियो व फोटो मोबाइल से ले रहा था।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दुराचार का केस दर्ज कर आरोपी मामा-भांजे को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार मानेगांव सिद्धनगर की युवती अपने भैया-भाभी के साथ विगत 29 मई को बुआं के यहां लटकारी के पड़ाव आगा चौक गई हुई थी। रात रुकने के बाद जब 30 मई को वापस आने लगे तो पीड़िता की बुआ के दामाद आरोपी 38 वर्षीय पप्पू काछी ने उनसे कहा कि एक गाड़ी में नहीं बनोगे मैं तुम्हें छोड़ दूंगा। एक गाड़ी में पीड़िता के भैया-भाभी व दूसरी गाड़ी में पप्पू व उसका भांजा 23 वर्षीय शुभम पटेल के साथ युवती बैठ गई। आरोपी पप्पू ने गाड़ी की गति बढ़ा दी और व्हीकल मोड़ स्टेडियम के पीछे पुलिया के पास युवती के साथ दुराचार किया। भांजा घटनाक्रम को मोबाइल पर रिकार्ड किया था। आरोपी युवती को वहीं छोड़कर भाग निकले। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीआई आरके मालवीय ने बताया कि शिकायत पर आरोपी पप्पू काछी व उसके भांजे शुभम पटेल को अभिरक्षा में लिया गया है।

अच्छी खबर पार्क प्रबंधन ने पर्यटकों को मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग के निर्देश दिए, 21 जिप्सियों ने लगाया फेरा

कान्हा पार्क में डेढ़ माह बाद पर्यटकों ने किया टाईगर का दीदार

मंडला (एजेंसी)।

कोरोना कर्फ्यू के कारण लगभग डेढ़ महीने बंद रहने के बाद कान्हा नेशनल पार्क मंगलवार से पर्यटकों के लिए पुनः खुल गया है। पार्क खुलने का बेशब्री से इंतजार कर रहे पर्यटक वन्य जीवों का दीदार करने बड़ी संख्या में उत्साह पूर्वक पहुंचे।

16 अप्रेल से कान्हा नेशनल पार्क बंद होने से कान्हा क्षेत्र में चलने वाली गाड़ियों के वाहन मालिक, चालक और रिसॉर्ट मालिकों सहित अन्य सभी लोग जिनकी आजीविका ही कान्हा के पर्यटन पर निर्भर है, उन सभी के सामने रोजी-रोटी का संकट था। प्रदेश में कोरोना के मामले कम होते ही पार्क के खुल जाने से पर्यटकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है,वहीं क्षेत्र में आर्थिक गतिविधि शुरू होने से क्षेत्रीय लोगों ने राहत की सांस ली है। पहले दिन पार्क प्रबंधन ने गाइडलाइन का पालन करवाते हुए पार्क में पर्यटकों का प्रवेश करवाया है। सुबह की ट्रिप में 21 वाहनों ने पार्क में प्रवेश किया। गाइड, वाहन चालक और

पर्यटकों को मास्क पहनने एवं सोशल डिस्टेंसिंग के निर्देश दिए गए। पर्यटकों का तापमान भी चेक किया गया है। वाहनों को सैनेटाइज कराया है।

वाहन में छह लोग ही बैठ सकते हैं वहीं, अगर पर्यटक सिंगल टिकट होल्डर है तो ऐसे चार लोगों को ही पर्यटक वाहन में बिठाया जाएगा। पहले दिन बड़ी संख्या में पार्क पहुंचे हैं। इस दौरान लोगों ने बाघों का दीदार भी किया है।

दो मादा बाघ बाधवगढ़ टाईगर रिजर्व से हुए शिफ्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्थित बाधवगढ़ टाईगर रिजर्व के मगधी परिक्षेत्र के बहेरहा वार्डो से दो मादा बाघ को क्रमशः संजय टाईगर रिजर्व और सतपुड़ा टाईगर क्षेत्रों में शिफ्ट किया गया है। इन दोनों बाघ की आयु 3 वर्ष 3 माह है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) आलोक कुमार ने बताया कि दोनों मादा बाघ शावक एक साल पहले संजय टाईगर रिजर्व के वफर क्षेत्र ब्यौहारी से रेस्क्यू कर बहेरहा स्थित वार्डो में लाया गया था। इन्हें तकरीबन एक साल तक रखे जाने के बाद पुनः स्वछंद विचरण के लिए रिवाईल्डिंग की जा रही थी। पिछले माह वन्य जीव विशेषज्ञों की टीम द्वारा निरीक्षण किए जाने के बाद इनकी अनुशंसा पर यह शिफ्टिंग की गई है।

बांधवगढ़ नेशनल पार्क पर्यटकों के लिए खोला

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क मंगलवार से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि कोविड 19 के कारण पार्क को बंद कर दिया गया था। वैसे भी मानसून में 3 माह पार्क को बंद करना पड़ जाता है। पार्क खुल जाने से स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलेगी। पार्क के अंदर प्रवेश के लिए कोविड-19 के नियम का पालन करना होगा। ड्राइवर एवं गाइड को वैक्सीन अनिवार्य होगी। पर्यटक को भी वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र दिखाना होगा। पार्क के खुलने से करीब 125 पर्यटक पार्क में प्रवेश किए। और अच्छी बात यह रही की व्यापारी, गाइड, जिप्सी ड्राइवर जिप्सी मालिक एवं होटल मालिकों के चेहरे में खुशी देखी गई।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं ने कोयंबटूर में सीएए बिल पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

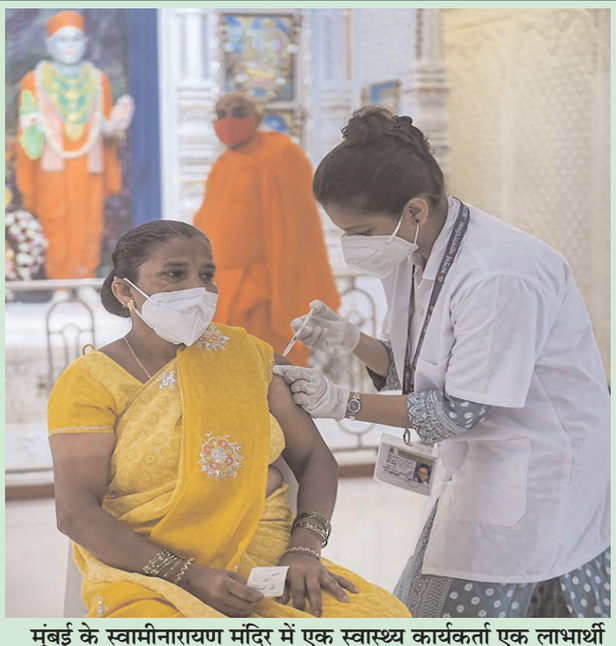
मुंबई के स्वामीनारायण मंदिर में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता एक लाभार्थी महिला को कोविड -19 वैक्सीन की खुराक देती हुई।

कोलकाता में एक घर की बाहरी दीवार पर कोरोनावायरस रोकथाम जागरूकता पेंटिंग।

एक नजर

केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय बोले, वैक्सीन से ही बचेगी जान, जन जीवन होगा सामान्य

वाराणसी । वैक्सीनेशन बहुत जरूरी है। वैक्सीनेशन से बहुत हद तक बीमारी पर लगाम लगी है। मेरी सभी से अपील है कि वैक्सीनेशन जरूर लगवाएं। वैक्सीन ही जान बचाएगी और जनजीवन को सामान्य करेगी। विश्वास न्यूज का वैक्सीन के लिए हां बहुत सकारात्मक अभियान है। यह बात केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने वैक्सीन के लिए हां मीडिया साक्षरता कार्यक्रम में विशिष्ट मेहमान के तौर पर कही। यूपी के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने वेबिनार में कहा कि कुछ लोग वैक्सीन को लेकर अफवाह फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि यदि कोई वैक्सीन को लेकर भ्रम फैला रहा हो, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करें। साथ ही यादा से यादा लोगों को वैक्सीन सेंटर तक लाने का प्रयास किया जा रहा है।

वाराणसी के वरिष्ठ गैस्ट्रोइंट्रोलॉजिस्ट डॉ हेमंत गुप्ता ने कहा कि वैक्सीन लगवाने के बाद एक घंटे तक वैक्सीनेसन केंद्र में जरूर रुकना चाहिए, ताकि कोई साइड इफेक्ट हो तो उसका इलाज तुरंत किया जा सके। डॉ गुप्ता ने वेबिनार में बताया कि वैक्सीन लगवाने के बाद ठंड लगकर बुखार आना, बदन या सिर दर्द होना सामान्य लक्षण हैं। इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। जिस हाथ में वैक्सीन लगी है, वहां सूजन भी आ सकती है। बुखार होने पर पैरासिटामोल लेकर आराम करें। गुरुग्राम के डॉ अनंत पाराशर ने वेबिनार में बताया कि कोविड के सामान्य लक्षण बुखार, सूखी खांसी या थकान हो सकते हैं। इसके अलावा गंभीर मरीजों को सांस लेने में दिक्कत आ सकती है। इस तरह का कोई भी लक्षण होने पर डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

वाराणसी में वैक्सीनेशन की स्थिति के बारे में बात करते हुए दैनिक जागरण वाराणसी के संपादक भारतीय बसंत कुमार ने बताया कि जिले में अब तक चार लाख से यादा लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है। इनमें एक लाख से यादा युवा हैं। बनारस में वैक्सीनेशन सेंटरों की संख्या भी दोगुनी हो चुकी है। उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में वैक्सीनेशन की गति और तेजी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाने की सीजेआई रमना से की अपील

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना से शीर्ष कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे वकीलों को हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने पर विचार करने को कहा है। प्रधान न्यायाधीश को इस संबंध में भेजे गए पत्र की प्रति शीर्ष अदालत के पांच वरिष्ठ न्यायाधीशों को भी सौंपी गई है। बार अध्यक्ष ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों के पास दीवानी, आपराधिक, संवैधानिक, वाणिज्यिक कानून आदि से संबंधित सभी प्रकार के मुद्दों का बेहतर अनुभव है। इसके बावजूद बहुत कम ही मौकों पर हाई कोर्ट कोलेजियम उनकी प्रोन्नति पर विचार करता है। इसका कारण यह है कि वे हाई कोर्ट के सामने नियमित रूप से प्रैक्टिस नहीं करते हैं। पेशेवर रूप से हाई कोर्ट के अपने साथी से यादा मेधावी होने के बावजूद उन्हें अवसर नहीं मिल पाता है। पत्र में ऐसी सक्षम महिला वकीलों की संख्या का भी उल्लेख किया गया है जिनके नाम पर हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाने के लिए विचार किया जा सकता है। कांग्रेस नेता की हत्या के मामले में मप्र की बसपा विधायक के पति को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने विधायक के पति की जमानत याचिका पर कोई राहत देने से इन्कार करते हुए सख्त हिदायत दी कि वे कोर्ट के साथ खेल न खेलें। उल्लेखनीय है मप्र की बसपा विधायक रमाबाई सिंह के पति गोविंद सिंह कांग्रेस नेता देवेंद्र चौरसिया की हत्या में नामजद होने के कारण जेल में हैं। जेल से बाहर आने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी।

मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी भारतीय टीम, कल होगी डोमिनिका की कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली । पीएनबी ऋण धोखाधड़ी मामले में वांछित भगोड़े व्यवसायी मेहुल चोकसी को लाने के लिए आठ सदस्यीय टीम ने डोमिनिका में डेरा डाल रखा है। पूरी तैयारी से गई इस टीम में सीबीआइ, ईडी और विदेश मंत्रालय के दो-दो अधिकारियों के अलावा सीआरपीएफ के दो कमांडो भी शामिल हैं। ये लोग कतर एयरलाइंस के विमान से मेहुल के खिलाफ दस्तावेज लेकर दिल्ली से रवाना हुए थे। पूरी तैयारी से पहुंची यह टीम अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। चोकसी के प्रत्यर्पण पर दो जून को सुनवाई होनी है।

आठ सदस्यीय टीम में सीबीआइ और ईडी के अधिकारी हैं-

सूत्रों के अनुसार इस टीम में सीबीआइ और ईडी के मुंबई जोन के अधिकारी हैं। इन्हें पहले दिल्ली बुलाया गया जहां इन्हें आवश्यक निर्देश देकर डोमिनिका रवाना किया गया। एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन भारतीय टीम को लेकर विशेष विमान के शनिवार को पहुंचने की पुष्टि कर चुके हैं। एक रेडियो कार्यक्रम में गैस्टन ने कहा कि उनकी समझ से मेहुल चोकसी भारत में बड़े आर्थिक घोटाले में शामिल रहा है। चोकसी के भगोड़े होने की पुष्टि के लिए भारत सरकार ने दस्तावेज भेजे हैं।

ये कागजात संभवत- बुधवार (2 जून) को होने वाली अदालत की सुनवाई के लिए हैं। डोमिनिका की अदालत ने उसके प्रत्यर्पण पर रोक लगा रखी है। भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि उसे भारत वापस लाया जाए और उसका कानून से सामना कराया जाए। उल्लेखनीय है पंजाब नेशनल बैंक से 13,500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई और ईडी द्वारा भारत में वांछित चोकसी 23 मई को एंटीगुआ से लापता हो गया था। उसे डोमिनिका में पकड़ा गया। 26 मई को डोमिनिकन अदालत ने चोकसी के वकीलों द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण पर सुनवाई करते हुए 2 जून तक उसके निर्वासन पर रोक लगा दी। शनिवार को चोकसी की कई तस्वीरें आनलाइन सामने आईं, जिसमें उसकी बाहों और सूजी हुई आंखों पर चोट के कई निशान दिखाई दे रहे थे। चोकसी चार जनवरी 2018 से एंटीगुआ और बारबुडा में रह रहा है। चोकसी के खिलाफ अलग-अलग चार्जशीट दाखिल करने वाली सीबीआई और ईडी उसके प्रत्यर्पण के लिए लंबे समय से कोशिश कर रही हैं।

लॉकडाउन से कैसे मिलेगी मुक्ति? आइसीएमआर ने बताया अनलॉक के मापदंड

नई दिल्ली। संक्रमण दर पांच फीसद से कम होने के बाद अनलाक की प्रक्रिया शुरू कर रहे रायों को आइसीएमआर ने आगाह किया है। आइसीएमआर के महानिदेशक डाक्टर बलराम भार्गव ने किसी भी जिले को अनलाक करने के लिए सात दिन तक संक्रमण की दर पांच फीसद से कम होने के साथ-साथ 60 से अधिक उम्र के बुजुर्गों और 45 साल से अधिक उम्र के गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों में 70 फीसद को टीका लगाना भी जरूरी बताया है।

डाक्टर बलराम भार्गव ने पिछले छह हफ्ते में कोरोना के हालात में तेजी से सुधार को बड़ी उपलब्धि बताते हुए यह साफ कर दिया कि यह स्थायी नहीं है। संक्रमण रोकने का स्थायी समाधान केवल टीकाकरण के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है। टीकाकरण के लिए कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले समूहों को सुरक्षित करने को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई।

ध्यान देने की बात है कि कोरोना से होने वाली मौतों में 88 फीसद लोग 45 साल से अधिक उम्र के हैं और केंद्र सरकार इस आयु वर्ग के टीकाकरण के लिए रायों को मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध करा रही है। गौरतलब है कि देश में लगभग 33 करोड़ लोग 45 से ऊपर के हैं। वहीं लगभग 350 जिलों में पिछले कुछ दिनों से संक्रमण पांच फीसद से कम देखा जा रहा है। संक्रमण दर और टीकाकरण के साथ ही डाक्टर

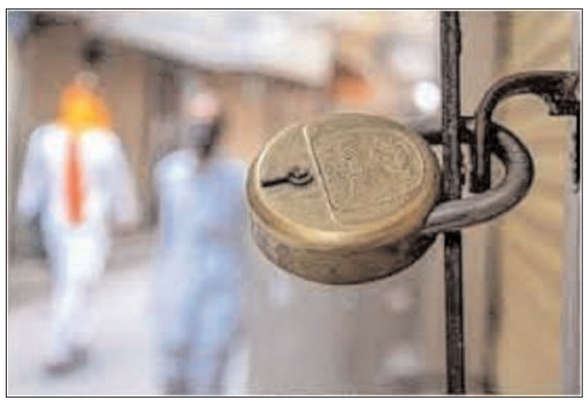

बलराम भार्गव ने सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने को अनलाक का तीसरा मापदंड बताया।

उनके अनुसार 60 फीसद आबादी के टीकाकरण तक इसमें छूट नहीं दी जा सकती है। वैसे उन्होंने यह नहीं बताया कि देश में 60 फीसद आबादी को टीकाकरण का लक्ष्य कब पूरा कर लिया जाएगा। लेकिन उन्होंने सरकार के इस दावे को दोहराया कि इस साल के अंत तक 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को टीका लग जाएगा।

जुलाई से प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक टीके लगने लगेंगे

टीकाकरण में दूसरे देशों की तुलना में भारत के पिछड़ने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि डोज के मामले में भारत अमेरिका से लगभग बराबर टीका लगा चुका है। लेकिन जनसंख्या में भारी अंतर के कारण यह कम दिखता है। उनके अनुसार दुनिया में अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और भारत पांच ही ऐसे देश हैं, जिसने कोरोना के खिलाफ वैक्सीन इजाद कर लोगों को लगाया है। डाक्टर भार्गव ने कहा कि आने वाले समय में टीके की उपलब्धता बढ़ेगी और जुलाई के दूसरे पखवाड़े से देश में प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक टीके लगने लगेंगे।

नीति आयोग से सदस्य और टीकाकरण पर गठित उचाधिकार समिति के प्रमुख डाक्टर वीके पाल का कहना है कि एक बार टीका उपलब्ध हो जाने के बाद उसे लगाने में कोई समस्या नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि पल्स पोलियो अभियान के दौरान भारत एक दिन में आठ करोड़ बचों को टीका लगाता है। उन्होंने कहा कि इस अनुभव का लाभ कोरोना के टीकाकरण में भी लिया जाएगा और इस सिलसिले में रायों के साथ विचार-विमर्श शुरू भी कर दिया गया है।

पुलिस कर्मियों ने बोगस ग्राहक बनकर पकड़ी पांच करोड़ रुपए की नशीली दवाएं, अजमेर पुलिस ने बरामद किए 110 कार्टन

अजमेर । अजमेर पुलिस ने शहर के रामगंज और अलवर गेट क्षेत्र से प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के 110 कार्टन बरामद किए हैं, इनकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपए बताई जा रही है। अजमेर स्पेशल शाखा पुलिस की इस तरह की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। जिला पुलिस अधीक्षक जगदीश चंद शर्मा ने बताया कि पुलिस की स्पेशल शाखा के पुलिस कर्मियों ने बोगस ग्राहक बनकर नशीली दवाइयों की गैर कानूनी तरीके से बिक्री करने वालों से संपर्क किया। पुलिसकर्मियों की मुलाकात कमल और मुकेश नाम के व्यक्तियों से हुई।

इन दोनों व्यक्तियों ने ही बताया कि अलवर गेट थाना क्षेत्र के नागबाई इलाके में एक किराये के मकान में नशीली दवाएं रखी हुई हैं। ऐसी ही दवाएं रामगंज क्षेत्र में भी बताई गई। पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए दोनों स्थानों से दवाओं के 110 कार्टन जब्त किए। इन दवाओं की कीमत करीब पांच करोड़ रुपए आंकी जा रही है। इस मामले में कमल और मुकेश नाम के दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। कमल पूर्व में गोटा, मोती आदि के सामानों की बिक्री का काम करता था।

पुलिस अब ये पता लगा रही है कि एक जून को जब्त किया गया माल किस कंपनी से सप्लाई हुआ था। पूर्व में अजमेर और जयपुर में जो 11 करोड़ रुपए की नशीली दवाइयां जब्त की गई वे सभी उत्तराखंड स्थित हिमालय मेडीटेक कंपनी के द्वारा सप्लाई की गई थी। यह माल जयपुर की फर्म राम्या इंटरप्राइजेज के पास आया था, इस फर्म से ही यह माल गैर कानूनी तरीके से अजमेर के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक गोदाम पर पहुंचा था। इस माल को लेकर पुलिस ने स्टेशन रोड स्थित विनायक मेडिकल स्टोर पर जांच पड़ताल की कार्यवाही की थी।

इस कार्यवाही के बाद से ही स्टोर के मालिक श्यामसुंदर मूंदड़ा, कमल मूंदड़ा और लक्ष्मीकांत मूंदड़ा की पुलिस को तलाश है। लेकिन अभी तक भी मूंदड़ा बंधुओं का कोई सुराग नहीं मिला है। इस बीच अजमेर में और पांच करोड़ रुपए की नशीली दवाएं जब्त की गई है। ये दवाएं भी पूर्व की तरह ट्रामाडोल, एल्ट्राजोलाम की गोलियां, कैप्सूल और इंजेक्शन हैं। आरोप है कि ऐसी दवाएं युवा वर्ग को सप्लाई की जाती है। नशे की दवाएं और इंजेक्शन युवा वर्ग किसी भी कीमत पर खरीदने को तैयार होता है।

ऐसी अधिकांश नशीली दवाएं कालाबाजार में ही उपलब्ध होती है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि पूर्व में मिली दवाओं का कितना संबंध रामगंज और अलवर गेट क्षेत्र में मिली दवाओं से है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने दो दिन पहले जिस साजिद नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया था, उसी ने पुलिस को बताया कि नशीली दवाएं किन किन स्थानों पर भेजी जाती थी। साजिद पिछले कुछ दिनों तक विनायक मेडिकल स्टोर पर ही कार्यरत था।

गुजरात में भी बाबा रामदेव के खिलाफ केस दर्ज, कार्रवाई की मांग

अहमदाबाद। योग गुरु बाबा रामदेव के खिलाफ गुजरात में भी पुलिस केस दर्ज कराकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गुजरात शाखा ने बाबा रामदेव पर एलोपैथी को बदनाम कर अपनी दवाओं का कारोबार बढ़ाने का आरोप लगाया है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सचिव डॉक्टर कमलेश सैनी ने अहमदाबाद के नवरंगपुरा पुलिस थाने में बाबा रामदेव के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई है। इसमें एलोपैथी को बदनाम करने तथा कोरोना महामारी में लोगों की जान बचाने का प्रयास करने वाले चिकित्सकों को हतोत्साहित करने का आरोप लगाया है। मेडिकल एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया है कि बाबा रामदेव पतंजलि की कोरोना दवा कोरोनिल के कारोबार को बढ़ाने के लिए एलोपैथी को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाबा रामदेव विवाद खड़ा करके चर्चा में बने रहना चाहते हैं।

सैनी ने आरोप लगाया कि सरकार के औषधि नियंत्रक ने पतंजलि की दवा कोरोनिल के विज्ञापन पर भी रोक लगा दी थी तथा इसे कोरोना की दवा के रूप में मान्यता नहीं दी। एसोसिएशन ने बाबा रामदेव के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट तथा महामारी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की है। सैनी ने कहां की चिकित्सक तथा आई एम ए आयुर्वेद के खिलाफ नहीं है लेकिन बाबा रामदेव मेडिकल साइंस को स्टूपिड साइंस बताकर इसका अपमान कर रहे हैं।

एसोसिएशन का मानना है कि बाबा रामदेव अपनी दवाओं का कारोबार बढ़ाने के लिए एलोपैथी को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। टीवी चैनल तथा इंटरनेट

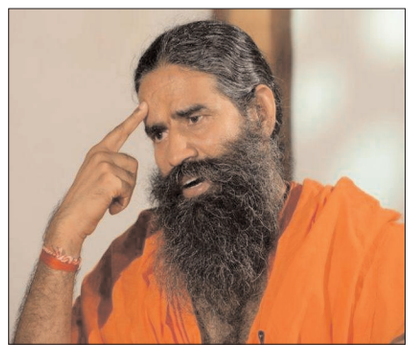

मीडिया में एलोपैथी को लेकर लगातार आ रहे बाबा रामदेव के बयानों से मेडिकल एसोसिएशन नाराज है। बाबा के उन दावों से एसोसिएशन खफा है कि 90 फ़ीसदी लोग आयुर्वेद एवं योग से ठीक हुए हैं तथा वैक्सीन की दो डोज लेने के बाद भी चिकित्सकों की मौत हुई है यह देश के लोगों को गुमराह करने वाला बयान है। एसोसिएशन की ओर से इससे पहले अन्य कई राज्यों में भी बाबा के खिलाफ पुलिस केस दर्ज कराए गए हैं।

महाराष्ट्र के अहमदनगर में मई में 9,900 बच्चे कोरोना पॉजिटिव, 95 फीसद में कोरोना के कोई लक्षण नहीं

मुंबई। कोरोना की तीसरी लहर का सर्वाधिक प्रभाव बच्चों पर दिख सकता है, यह आशंका महाराष्ट्र में सच साबित होती दिखने लगी है। राज्य के अहमदनगर जिले में सिर्फ मई माह में 9,900 बच्चे कोविड पॉजिटिव पाए गए। राहत की बात यह रही कि इनमें 95 फीसद में कोरोना के कोई लक्षण नहीं पाए गए।

अहमदनगर के जिलाधिकारी राजेंद्र भोसले के अनुसार इस जिले में नियमित जांच के दौरान मई माह में 86,182 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इनमें 9,928 की उम्र 18 वर्ष से कम थी। यह संख्या पॉजिटिव पाए गए लोगों की 11.5 फीसद थी। इनमें 6,700 की उम्र 11 से 18 वर्ष के बीच थी। 3,100 बच्चे एक वर्ष से 10 वर्ष के बीच थे। लेकिन प्रशासन के अनुसार चिंता की बात इसलिए नहीं है, क्योंकि पॉजिटिव पाए गए इन बच्चों में 95 फीसद एसिम्पटोमैटिक थे, यानी उनमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं पाए गए।

चूंकि यह आशंका जताई जा रही है कि कोरोना की तीसरी लहर का सर्वाधिक प्रभाव बच्चों पर ही पड़ सकता है, बच्चों के प्रति अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। अहमदनगर में बालरोगियों से संबंधित टास्क फोर्स के सदस्य डॉ.सचिन सोलट का कहना है कि फिलहाल जिले के सिविल अस्पताल में भर्ती 350 से 370 रोगियों में पांच या छह ही बच्चे हैं। इसलिए चिंता की विशेष बात नहीं है।

डॉ.सोलट के अनुसार सोमवार को भी जिले में करीब 1000 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए। इनमें 97 बच्चे थे। वह मानते हैं कि चूंकि बच्चे अपने माता-पिता या परिवार के अन्य बड़ों के साथ रहते हैं, इसलिए उनके संक्रमित होने की संभावना ज्यादा होती है। परिवार में बड़ों के संक्रमित होने के बाद जब हाई रिस्क कान्टैक्ट के दायरे में आने के कारण परिवार के अन्य लोगों का टेस्ट किया जाता है, तो उनमें बच्चे भी संक्रमित पाए जाते हैं। लेकिन राहत की बात यह है कि अब तक सामने आए ऐसे मामलों में ज्यादातर बच्चों में कोरोना के कोई गंभीर लक्षण नहीं पाए गए। लेकिन कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए अहमदनगर में 10 बाल चिकित्सकों की एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। साथ ही सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर एवं कुछ आईसीयू बिस्तर भी बच्चों के लिए तैयार रखे गए हैं। ताकि समय आने पर बच्चों को उचित इलाज मुहैया कराया जा सके।

महाराष्ट्र के अहमदनगर में 9928 बच्चे कोरोना संक्रमित, डराने लगे आंकड़े- महाराष्ट्र में कोरोना की तीसरी लहर दस्तक देती नजर आ रही है। अहमदनगर में मई में 9,928 बच्चे कोरोना संक्रमित पाये गए हैं। सिविल सर्जन सुनील पोखरना ने कहा, ÷कुल पॉजिटिवी रेट में वृद्धि के कारण बच्चों की पॉजिटिविटी रेट में वृद्धि हुई है। अप्रैल में 7,760 बच्चे कोरोना संक्रमित पाये गए थे, हालांकि कोई गंभीर मामला सामने नहीं आया था। लेकिन प्रशासन के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ने लगी है। बता दें कि इस बारे में वैज्ञानिकों का मत है कि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों के लिए बेहद घातक साबित होगी।

राज्य सरकार लगभग 2 माह से तीसरी लहर से मुकाबले की तैयारियों में लगे होने का दावा कर रही थी। बच्चों में तेजी से बढ़ रहे संक्रमण को देखते हुए सांगली समेत कई जिलों में बच्चों के लिए स्पेशल कोरोना वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। अहमदनगर में अचानक इतने अधिक मामले सामने आने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है, जिला प्रमुख राजेंद्र भोंसले ने भी चिंता व्यक्त की है। ज्ञात हो कि इससे इससे पहले बच्चों में संक्रमण के ज्यादा मामले राजस्थान में दर्ज किए गए थे।

जोधपुर विवेक विहार में ब्लाइंड मर्डर- हत्यारों ने धारदार हथियारों से किए कई वार, नाक काट शव को फेका नाले में

जोधपुर । जोधपुर शहर के कुड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में विवेक विहार गेट संख्या दस से कुछ पहले बहते नाले में एक युवक का रक्त रंजित बहता शव मिला। हत्यारों ने युवक की नाक भी काट डाली। प्रथम दृष्टया वारदात को अंजाम कहीं और देना प्रतीत होता है, जिसके बाद शव को किसी वाहन से घसीट कर नाले तक लाया गया और वहां फेका प्रतीत हो रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर जोधपुर कमिशरनेट पुलिस के आला आधिकारी मौके पर पहुचे , जिन्होंने स्थिति का जायजा लिया।

एम्स अस्पताल से मेडिकल टीम के साथ एफएसएल जांच के लिए टीम को भी मौके पर बुलाया गया। कुड़ी पुलिस मृतक के पहचान के प्रयास कर रही है, लेकिन अभी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।शरीर पर रंगड़ के निशान के ताजा घाव के निशान मिले हैं। पुलिस का अनुसंधान जारी है।इससे पहले भी इसी इलाके में हुए दो अन्य ब्लाइंड मर्डर के बाद इस तीसरी हत्या से माहौल में दहशत है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त हरफूलचंद ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि कुड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के विवेक विहार एरिया गेट संख्या दस से कुछ पहले एक नाले में शव पड़ा है। इस पर बाद में शव को बहते नाले से बाहर निकलवाया गया। मृतक के शरीर पर चोटों के काफी निशान मिले है।

गला किसी नुकीली धातु से रेता गया है। इसके अलावा भी शरीर पर कई जगहों पर घाव के निशाबतपउम न है। पास में पहचानलायक कोई दस्तावेज नहीं मिले है। जेब से सौ सवा सौ रूपए मिले है। कानों में मुरकियां पहनी होने के साथ हाथ पर भी धागा बंधा है।

प्रेमप्रसंग की भी आशंका - हत्या की वजह वैसे तो कातिल के पकड़े जाने पर ही पता लग पाएगी। मगर इसमें किसी प्रेमप्रसंग की आशंका भी बनी है। लूट के इरादे से हत्या करना प्रतीत नहीं हुआ है। युवक के कानों में सोने की मुरकियां मिली है। कुछ पैसे भी जेब से मिले है। वही युवक के नाक को काटे जाने को लेकर भी प्रेम प्रसंग की आशंका व्यक्त की जा रही है।

तीसरा ब्लाइंड मर्डर - कुड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में पिछले आठ दस माह में यह तीसरा ब्लाइंड मर्डर है। इससे पहले विवेक विहार में एक महिला का जला हुआ शव मिला था। वह भी सीवर लाइन से बरामद हुआ था, वह भी आजतक पहचान के अभाव में नहीं खुल पाया। हाल ही में कुछ दिनों पहले सीवरेज की सूखी होदी में भी एक युवक का शव मिला था। जिसकी तह तक भी पुलिस नहीं पहुंच पाई। इसमें एक संदिग्ध को पुलिस ने पांच सात दिन तक पड़ताल के लिए अपने पास में रखा था। मगर सफलता नहीं मिल पाई।

आयुर्वेद पद्धति से जेल में उपचाराधीन आसाराम अब पूरी तरह स्वस्थ, वापस बैरक में शिफ्ट

जोधपुर । कोरोना संक्रमित आसाराम की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ है। चिकित्सकीय जांच के बाद आसाराम को जेल अस्पताल से वापस बैरक में शिफ्ट कर दिया गया है। हालांकि उनका वजन पहले की अपेक्षा कुछ कम हुआ है लेकिन वह स्वयं को तरोताजा महसूस कर रहे हैं और अन्य बंदियों से आम बोलचाल भी कर रहे हैं। जेल सूत्रों का कहना है कि अब उन्हें (आसाराम) को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है। बता दें कि विगत दिनों कोरोना संक्रमण के बाद एम्स में भर्ती हुए आसाराम को छुट्टी देने के बाद पुनः उनका स्वास्थ बिगड़ गया था, लेकिन आयुर्वेद पद्धति का हवाला देकर आसाराम अस्पताल नहीं गए, जिसके बाद ऑक्सीजन लेवल सुधारने को लेकर जेल में ही उनको ऑक्सीजन दी गई थी। साथ ही जोधपुर आयुर्वेद विश्वविद्यालय के चिकित्सकों के द्वारा ही उनका इलाज किया जाने लगा।

नाबालिग से यौन दुराचार में सजाफ्ता आसाराम अब खुद को बिल्कुल स्वस्थ मान रहे हैं। आयुर्वेद पद्धति से इलाज करवा रहे आसाराम की सेहत में सुधार के बाद पुनः बैरक में शिफ्ट कर दिया गया है। इससे पहले वह जोधपुर के सेंट्रल जेल में ही बने अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। जेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आसाराम अपनी अन्य बीमारियों के लिए भी आयुर्वेद दवा ले रहे हैं और जोधपुर आयुर्वेद विश्वविद्यालय के डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। सेंट्रल जेल में बंद आसाराम अब पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। जेल परिसर में सुबह-शाम टहलना उनकी दैनिक दिनचर्या है। साथ ही अन्य कैदियों से बातचीत भी कर रहे हैं।

आसाराम पिछले महीने कोरोना संक्रमित हो गए थे। उसके बाद ऑक्सीजन लेवल गिरने पर उन्हें महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां दो दिन रखने के बाद उन्हें एम्स भेजा गया था। इस दौरान उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट से दो माह की अंतरिम जमानत मांगी थी। हाईकोर्ट ने एम्स से उनके स्वास्थ्य की विस्तृत रिपोर्ट तलब की थी, जिसके आधार पर हाईकोर्ट ने आसाराम की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। एम्स से ठीक होकर जेल में वापस भेजे जाने के बाद उनका ऑक्सीजन लेवल घट गया था लेकिन अब वह पूर्णतया ठीक हैं और ऑक्सीजन सपोर्ट की भी आवश्यकता नहीं है।

आदिपुरुष में रावण बनना नहीं था आसान

बॉलिवुड ऐक्टर सैफ अली खान अपनी आने वाली फिल्म 'आदिपुरुष' में 'रावण' के किरदार को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में सैफ से 'रावण' के किरदार को लेकर खास बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि 10 सिर वाले बड़े दानव और ताकतवर राजा का किरदार निभाना कितना मुश्किल भरा होने वाला है। 'फिल्म कंपेनियन' को दिए एक इंटरव्यू में सैफ अली खान ने अपना एक्सपीरिएंस शेयर किया है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए सैफ कहते हैं, 'फिल्म में पूरी तरह शैतान की तरह दिखूंगा, लेकिन मेरे लिए सबसे ज्यादा मुश्किल है इस किरदार के लिए खुद को सिर्फ फिजिकली ही नहीं, बल्कि मेंटली भी तैयार करना। यह किरदार काफी ताकतवर है और इसे करने में मजा आना वाला है।' सैफ कहते हैं, 'जब मैं रावण के बारे में पढ़ रहा था तब मुझे ध्यान आया कि रावण के किरदार में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है उसका घमंड। रावण को एक घमंडी और अहंकारी राजा के रूप में भी जाना जाता है। वह एक राक्षस है जिसके एक सिर नहीं बल्कि दस सिर हैं।' बता दें कि 'आदिपुरुष' का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज कर रही है। फिल्म का निर्देशन ओम राउत कर रहे हैं। फिल्म में सैफ अली खान के अलावा 'बाहुबली' फेम एक्टर प्रभास 'राम' के रोल में नजर आएंगे, वहीं 'सीता' का करिदार कृति सेनन निभाएंगी। साथ ही साथ 'प्यार का पंचनामा 2' फेम सनी सिंह 'लक्षमण' के किरदार में नजर आने वाले हैं। जहां तक सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास 'आदिपुरुष' के अलावा 'भूत पुलिस' और 'बंटी और बबली 2' जैसी फिल्में हैं।

भारत में लोग कोविड से जूझ रहे थे, उस दौरान विदेश में शूटिंग ने उन्हें परेशान कर दिया

तेलुगू फिल्म 'थैंक यू' की शूटिंग के बाद हाल ही में इटली के मिलान से लौटी अभिनेत्री राशि खन्ना ने खुलासा किया कि एक विदेशी स्थान पर शूटिंग ने उन्हें परेशान कर दिया। अभिनेत्री ने कहा है कि इटली में शूटिंग सुरक्षित थी क्योंकि देश में लोगों ने बहुत जिम्मेदारी से प्रोटोकॉल का पालन किया। उन्होंने बताया कि ''हम महामारी के बीच में थे और मैं वहां (इटली) जाने से पहले डर गई थी। वहां एक बार, मुझे एहसास हुआ कि इटली में लोग मास्क पहनने के लिए बहुत जिम्मेदार थे, भले ही दूसरी लहर बीत गई हो। बहुत कम लोग शूटिंग कर रहे थे हमें चालक दल में शामिल किया गया था और सभी सावधानियां बरती गई थीं।'' राशी ने कहा, ''जब मैं वहां थी, भारत में दूसरी लहर तेज हो गई और मैं लगातार पढ़ रहा थी कि भारत में क्या हो रहा था। यह परेशान करने वाला था। यह बुरा लगा कि हमारा देश पीड़ित था और हम दूर थे। अब हम वापस आ गए हैं और हम बहुत कुछ नहीं कर सकते। यह एक असहाय स्थिति है। हमने जो किया उसके लिए हमने शूटिंग की, लेकिन यह मानवीय रूप से परेशान कर रहा था। हम लगातार सोच रहे थे कि घर वापसी के बाद क्या होगा।'' राशी ने अपने अभिनय की शुरूआत शूजीत सरकार की 2013 की हिंदी फिल्म 'मद्रास कैफे' से की, और बाद में 'टच चेसी चुडू', 'वेंकी मामा' और 'वल्ड फेमस लवर' जैसी हिट फिल्मों के साथ तेलुगु फिल्म जगत में कदम रखा। इस बारे में बात करते हुए कि कैसे कोविड ने 'थैंक यू' की प्रोडक्शन टीम के लिए बाधाएं लाईं, अभिनेत्री कहती हैं: ''ईमानदारी से, हमेशा समय पर खत्म करने का दबाव होता है लेकिन मेरे पास एक बहुत अच्छी टीम थी जिसने सब कुछ ध्यान में रखा था और उन्होंने कोई दबाव नहीं बनाया। हम सभी शूटिंग खत्म करने के बारे में तनाव में थे क्योंकि प्रतिबंध थे क्योंकि हम भारत से थे। कुछ स्थान ऐसे थे जिन्हें रद्द कर दिया गया था क्योंकि हम भारतीय थे।'' वह आगे कहती हैं ''प्रोडक्शन टीम को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके अलावा हम वास्तव में सुरक्षित थे। ऐसे दिन थे जब हम दिन में 18 घंटे शूटिंग कर रहे थे क्योंकि हमारे पास कोई विकल्प नहीं था। क्योंकि यह पहले जैसा नहीं था। महामारी जिसे आप विलासिता में और कहीं भी शूट कर सकते थे। इस बार यह ज्यादा कठिन था।'' 'थैंक यू', 'वेंकी मामा' के बाद नागा चैतन्य के साथ उनकी दूसरी रिलीज होगी।

हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफ को टक्कर देंगे नवाजुद्दीन

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस के लिए गुड न्यूज आई है। खबर है कि टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'हीरोपंती' के सीक्वल 'हीरोपंती 2' में नवाज विलेन की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इस बारे में नवाज या फिल्म की टीम की तरफ से ऑफिशियल घोषणा बाकी है। रिपोर्ट की बात सच साबित होती तो दर्शकों को एक बार फिर से नवाज का खलनायक रूप देखने को मिलेगा, ऐसे किरदार करने में तो वैसे भी नवाजुद्दीन को महारत हासिल है। आपको याद दिला दें कि नवाजुद्दीन 'हीरोपंती 2' से पहले टाइगर के साथ फिल्म 'मुन्ना माइकल' में काम कर चुके हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक नवाजुद्दीन 'हीरोपंती 2' से जुड़ गए हैं। उन्हें विलेन की भूमिका के लिए चुना गया है। वह फिल्म के हीरो टाइगर श्रॉफ के साथ दो-दो हाथ करते दिखेंगे। पर्दे पर दोनों को आमने-सामने देखना दिलचस्प होगा। उनके बीच जबरदस्त फाइट सीन होंगे। अहमद खान द्वारा निर्देशित 'हीरोपंती 2' की घोषणा पिछले साल हुई थी और इसकी शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हो गई थी। कोरोना महामारी की दूसरी लहर से पहले ही फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो गया था।

जैकलीन ने हासिल की यह खास उपलब्धि

हाल ही में जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी पहल 'शेरॉक्स' को लॉन्च करने की घोषणा की थी। आम लोगों के लिए एक सुरक्षित जगह बनाना जहां हर किसी को अपने भीतर जादू खोजने के लिए प्रेरित किया जाता है। और, 'टाइम्स 40 अंडर 40' ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने, उन्हें प्रोत्साहित करने और उनका सम्मान करने का एक मंच है। जैकलीन फर्नांडिस अपने वेंचर शेरॉक्स के लिए एंटरप्रेन्योर की 'टाइम्स 40 अंडर 40' सूची में जगह बनाने वाली एकमात्र अभिनेत्री बनी हैं। शेरॉक्स जैकलीन द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने, एक होने और एकजुट होने, हंसने, प्रेरित करने और एक साथ सपने देखने के लिए शुरू की गई एक पहल है। जैकलीन ने इस कम्युनिटी का निर्माण सभी में छिपी शक्तियों को सामने लाने में मदद करने के लिए किया था। इस समुदाय के उद्देश्य अद्भुत और सही हैं इसलिए प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाने में सफल रही है। इस ऑर्गनाइजेशन की निर्देशक होने के नाते, अपने समुदाय के साथ दिल से दिल का संबंध बनाने के लिए उन्होंने इसका इस्तेमाल उनके साथ जुड़ने और अपनी वर्कआउट सीरीज के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए भी किया है। दिलचस्प बात यह है कि इसका हिस्सा बनने वाली जैकलीन एकमात्र अभिनेत्री हैं और यह लोगों के हित मे काम करता है जिसका मीठा फल मिला है। यह सूची शीर्ष 40 प्रतिभाशाली यंग एंटरप्रेन्योर, लीडर्स और इनोवेटर्स को पहचान प्रदान करती है, जिनकी आयु 40 वर्ष से कम है और जिन्होंने समाज में बदलाव लाने में सही मायने में योगदान दिया है।

वीर सावरकर के जीवन पर बनेंगी फिल्म, महेश मांजरेकर करेंगे निर्देशित

स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की 28 मई को 138वीं जयंती थी। इस मौके फिल्ममेकर और निर्माता संदीप सिंह ने सावरकर की कहानी 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' को बयां करने के उद्देश्य से एक्टर और निर्देशक महेश मांजरेकर के साथ हाथ मिलाया है। संदीप सिंह ने घोषणा करते हुए बताया कि वो उनकी कहानी को फिल्म के माध्यम से पेश करने का अधिकार हासिल कर लिया है। वीर सावरकर की सराहना के साथ ही समान रूप से उनकी आलोचना भी की जाती है। उन्हें आज ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्तित्व के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए हैं कि क्योंकि लोग उनके बारे में बहुत कुछ नहीं जानते। उन्होंने कहा, कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि वह हमारे स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे और हमारी कोशिश उनकी जिंदगी और उनके जीवन के सफर को दर्शकों के सामने लाना है। महेश मांजरेकर ने कहा, मैं हमेशा से वीर सावरकर के जीवन और उनके समय को लेकर आकर्षित रहा हूं। मेरा मानना है कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इतिहास में उनका उचित स्थान नहीं मिला.उनका हक नहीं मिला। उनके जीवन ने बहुत से लोगों को प्रभावित किया होगा। मैं जानता हूं कि एक निर्देशक के तौर पर, यह मेरे लिए एक चुनौती होगी, लेकिन मैं इस चुनौती को स्वीकार करना चाहता हूं। स्वातंत्र्यवीर सावरकर को लंदन, अंडमान और महाराष्ट्र में शूट किया जाएगा। यह फिल्म भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास की दास्तां को एक नया रूख देगी। मेकर्स का दावा है कि देश की स्वतंत्रता के लिए वीर सावरकर के संघर्ष की पर्दे पर दिखाई जानेवाली दास्तां लोगों के इतिहास को देखने का नजरिए को बदलकर रख देगी। बता दें कि वीर सावरकर ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह हिंदू महासभा के सदस्य भी थे। अपनी मृत्यु के पचपन साल बाद भी राजनीतिक स्पेक्ट्रम के दोनों पक्षों में वह सशक्त प्रतिक्रियाएं जगाते रहे हैं।

विकी कौशल की सरदार उधम सिंह भी ओटीटी पर!

सिनेमाघर को बंद हुए लंबा समय हो गया है और स्थिति सामान्य होने में कितना समय लगेगा, बताया नहीं जा सकता इसलिए फिल्म निर्माता अपनी फिल्मों को ओटीटी पर बेचना ही सही समझ रहे हैं, भले ही मुनाफा कम हो। जब सलमान खान जैसे सितारे की मूवी 'राधे' ओटीटी पर दिखा दी गई है तो छोटे सितारों का क्या कहना। खबर है कि विकी कौशल की फिल्म 'सरदार उधम सिंह' भी अब ओटीटी प्लेटफॉर्म को दी जा रही है। यह फिल्म अक्टोबर 2020 में रिलीज होनी थी, लेकिन नहीं हो पाई। फिर जनवरी 2021 में रिलीज करने की बात कही गई, तब भी कोरोना का प्रकोप कम नहीं हुआ था। कितना इंतजार करते? अब यह मूवी अगस्त में ओटीटी पर सीधे दिखा दी जाएगी। नाम से ही जाहिर है कि यह मूवी क्रांतिकारी सरदार उधम सिंह की बायोपिक है जिसमें यह रोल विकी ने निभाया था। सरदार उधम सिंह ने ब्रिटिश इंडिया के पूर्व लेफ्टिनेंट गर्वनर माइकल ओ डायर को मार दिया था जिसने जलियांवाला बाग गोलीकांड के आदेश दिए थे।

रणदीप हुड्डा को यूएन एंबेसडर के पद से हटाया

अभिनेता रणदीप हुड्डा इन दिनों अपने एक पुराने वीडियो को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। बीते दिन जहां सोशल मीडिया पर रणदीप को गिरफ्तार करने की मांग उठ रही थी तो वहीं अब अभिनेता के फैन्स के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। दरअसल रणदीप हुड्डा को संयुक्त राष्ट्र की जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण संबंधी संधि (सीएमएस) के राजदूत (एंबेसडर) के पद से हटा दिया गया है। याद दिला दें कि रणदीप को फरवरी 2020 में तीन साल के लिए राजदूत नियुक्त किया गया था।

सीएमएस सचिवालय को आपत्तिजनक लगी टिप्पणी

रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया, 'वीडियो में रणदीप हुड्डा द्वारा की गई टिप्पणी सीएमएस सचिवालय को आपत्तिजनक लगी। वह सीएमएस सचिवालय या संयुक्त राष्ट्र के मूल्यों को नहीं दर्शाती। हुड्डा अब सीएमएस के राजदूत नहीं हैं।' बता दें कि रणदीप द्वारा देश की एक प्रमुख महिला नेता को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर उठे विवाद के बाद यह फैसला किया गया।

क्या है पूरा मामला

गौरतलब है कि हाल ही में रणदीप हुड्डा का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उन्होंने मायावती नामक महिला का नाम लेते हुए आपत्तिजनक चुटकुला सुनाया है। रणदीप की वीडियो क्लिप वायरल होने के बाद लोगों में काफी नाराजगी है। लोग इसे 'सेक्सिस्ट', 'स्त्री विरोधी' और 'जाति सूचक' कहकर कड़ी आपत्ति जता रहे हैं।

युविका चौधरी पैर गैर जमानती धाराओं में दर्ज हुआ केस

टीवी एक्ट्रेस युविका चौधरी बीते कुछ दिनों से विवादों में फंसी हुई हैं। युविका ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद से युविका की गिरफ्तारी की मांग उठने लगी। अब इस मामले में एक्ट्रेस के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो गई है। युविका चौधरी के खिलाफ हांसी पुलिस ने अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है। अनुसूचित जाति अधिकार मंच के कार्यकर्ता रजत कलसन की लिखित शिकायत के बाद यह एक्शन लिया गया है। रजन ने शिकायत की थी कि फिल्म अभिनेत्री युविका चौधरी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इस शिकायत के साथ शिकायतकर्ता ने उक्त वीडियो की सीडी भी दी थी, जिसकी साइबर सेल द्वारा औपचारिक जांच के बाद शहर थाने में युविका चौधरी के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज कर दी गई। एफआईआर अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार अधिनियम की धारा 3 (1) (यू) के तहत दर्ज की गई है जो कि गैर जमानती है। बताया जा रहा है कि पुलिस इस मामले में युविका चौधरी को जांच में शामिल होने के लिए जल्द नोटिस जारी कर सकती हैं, जिसके बाद उनकी संभावित गिरफ्तारी हो सकती है। बता दें कि इस मामले के तुल पकडने के बाद युविका ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी थी। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर कहा था, 'सबसे पहले तो मैं आप लोगों से माफी मांगना चाहती हूं क्योंकि जो शब्द मैंने इस्तेमाल किया था वो अनजाने में किया था। मुझे उस शब्द के बारे में बिलकुल भी पता नहीं था। अनजाने में हुई गलती को आप माफ करें।' गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम मुनमुन दत्ता ने भी एक वीडियो में जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल किया था। इस कारण उन्हें भी गिरफ्तार किए जाने की मांग होने लगी थी। इसके बाद उनके खिलाफ कई राज्यों में एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं।

पुरुष और महिला खिलाड़ियों की फैमिली भी जाएगी इंग्लैंड : यूके की सरकार ने दी इजाजत

मुंबई। इंग्लैंड के अहम दौरे पर जाने वाली भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के लिए राहत की खबर है। यूके सरकार ने भारतीय खिलाड़ियों, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के फैमिली मेंबर्स को भी साथ आने की इजाजत दे दी है। खिलाड़ी और उनके फैमिली मेंबर्स (जो इंग्लैंड जाना चाहते हैं) पहले से मुंबई के एक होटल में क्वारैंटाइन हैं। यहां से वे 3 जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। लंबे टूर और बायो बबल की सख्ती को देखते हुए BCCI की शुरू से योजना थी कि फैमिली मेंबर्स को साथ भेजा जाए, लेकिन इसके लिए यूके की सरकार की इजाजत जरूरी थी।

मुंबई से लंदन पहुंचेगी दोनों टीमें

पुरुष और महिला टीमें फैमिली मेंबर्स के साथ 3 जून को चार्टर्ड फ्लाइट से मुंबई से लंदन के लिए रवाना होगी। यहां से दोनों टीमों को साउथैम्पटन ले जाया जाएगा। साउथैम्पटन में खिलाड़ी और उनका परिवार फिर से क्वारैंटाइन होगा। क्वारैंटाइन समाप्त होने के बाद पुरुष टीम साउथैम्पटन में ही रहेगी और न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 से 22 जून तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगी। वहीं, महिला टीम क्वारैंटाइन के बाद ब्रिस्टल रवाना हो जाएगी।

कोपा अमेरिका 2021: साउथ अमेरिकन फुटबॉल कॉन्फडरेशन ने 13 दिन पहले अर्जेंटीना से मेजबानी छीन ब्राजील को सौंपी

ब्राजील। कोपा अमेरिका अगले महीने ब्राजील में जून के मध्य आयोजित किया जाएगा। साउथ अमेरिकन फुटबॉल कॉन्फडरेशन की ओर से इसके संकेत दिए गए हैं। टूर्नामेंट के 2020 सीजन को कोरोना की वजह से एक साल के लिए टाल दिया गया था। टूर्नामेंट को इस साल 13 जून से 10 जुलाई के बीच अर्जेंटीना और कोलंबिया में संयुक्त रूप से किया जाना था। टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार इसे संयुक्त रूप से आयोजित किया जाना था।

कोलंबिया में इसके आयोजन के विरोध में 20 मई को प्रदर्शन किया गया था। जिसके बाद कोलंबिया को सह मेजबानी से हटा दिया गया था। वहीं अर्जेंटीना में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए टूर्नामेंट से 13 दिन पहले मेजबानी ब्राजील को सौंप दी गई है। टूर्नामेंट अपने निर्धारित समय के अनुसार ही होगा, हालांकि अभी मैच के शेड्यूल जारी नहीं किए गए हैं।

सागर मर्डर केस: ओलिंपिक मेडलिस्ट सुशील कुमार की आर्म लाइसेंस होगी कैंसिल

नई दिल्ली। जूनियर पहलवान सागर की हत्या में गिरफ्तार किए गए ओलिंपिक मेडलिस्ट सुशील कुमार के आर्म लाइसेंस को कैंसिल करने की प्रकिया लाइसेंस डिपार्टमेंट ने शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने सुशील कुमार और उनके PA को सागर के हत्या के आरोप में 23 मई को मुंडका से गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं इस हत्या में शामिल चार अन्य लोगों की तलाश जारी है। सुशील अभी क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में हैं। इससे पहले शनिवार को दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने सुशील की पुलिस कस्टडी 4 दिन और बढ़ा दी थी। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट से 7 दिनों की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने 4 दिन की ही कस्टडी पुलिस को दी। पुलिस ने सुशील पर जांच में सहयोग नहीं करने का भी आरोप लगाया है।

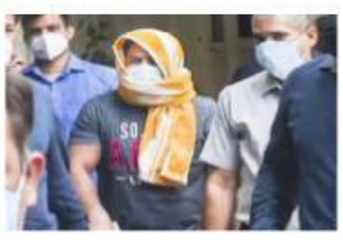

दुबई में छुट्टियां मना रहे हैमिल्टन:7 बार के फॉर्मूला-1 चैंपियन अब स्काइ-डाइविंग में आजमा रहे हाथ

दुबई। रिकॉर्ड 7 बार के फॉर्मूल-1 चैंपियन लुइस हैमिल्टन इन दिनों दुबई में छुट्टियां मना रहे हैं। रेसिंग ट्रैक पर अपना जलवा बिखेरने वाले हैमिल्टन अब स्काइ-डाइविंग में हाथ आजमा रहे हैं। उन्होंने दुबई में एक खतरनाक स्काइ-डाइविंग स्टंट भी किया। इसका वीडियो भी हैमिल्टन ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। ब्रिटिश ड्राइवर हैमिल्टन अब 6 जून से होने वाले अजरबैजान ग्रां प्री में नजर आएंगे। हैमिल्टन ने ये स्काइ-डाइविंग दुबई में एक प्लेन से परफॉर्म किया। उन्होंने कहा- मैं पिछले काफी समय से स्काइ डाइविंग सीख रहा था। ये मेरा फेवरेट टाइम पास है। मैंने पहली बार बैक साइड से इसे परफॉर्म किया। इसके बाद मैंने विंड टनल में प्रैक्टिस के लिए भी गया। इसके बारे में मैं अपने अगले पोस्ट में बताऊंगा।

मिशन ओलंपिक: फ्रांस ने बुलाए तीरंदाज, टोक्यो ने तैयारियों से रोका

मुंबई। आखिरकार भारतीय तीरंदाजों का पेरिस में होने वाले ओलंपिक क्वालिफायर में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। फ्रांस भारतीय विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद 23 सदस्यीय तीरंदाजी दल को वीजा देने के लिए तैयार हो गया है। पहले उसने भारतीय टीम को वीजा देने से इंकार कर दिया था। पेरिस विश्व कप में खेलने के रूप में तीरंदाजों को जहां खुशी नसीब हुई वहीं जापान ने उन्हें बुरी खबर भी दी है। ओलंपिक से पहले तीरंदाजों की टोक्यो में तैयारियां अब संभव नहीं हो पाएंगी। जापान ने वेटलिफ्टिंग के बाद अब तीरंदाजों की तैयारियों पर रोक लगा दी है।

पेरिस में 10 दिन के एकांतवास में रहेंगे तीरंदाज

नीरज चोपड़ा को वीजा जारी करने के बाद फ्रांसीसी दूतावास ने तीरंदाजों को भी वीजा जारी करने का फैसला लिया। पेरिस में 21 से 27 जून को होने वाले विश्व कप में महिला तीरंदाजों को टीम इवेंट में क्वालिफाई करना है। यही कारण है कि दीपिका कुमारी, कोमालिका बारी और अंकिता भकत की अगुवाई वाली महिला टीम को पांच जून को ही पेरिस रवाना कर दिया जाएगा। यहां टीम को 10 दिनों के एकांतवास में रहना पड़ेगा। पुरुष तीरंदाज नौ जून को रवाना किए जाएंगे।

खास बात यह है कि इस बार रीकर्व के साथ कंपाउंड तीरंदाजों को विश्व कप में खेलने भेजा जा रहा है। अतानु दास, प्रवीण जाधव, तरुणदीप रॉय की टीम पहले ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, जबकि दीपिका कुमारी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालिफाई किया है।

तीरंदाजों के लिए झटका है टोक्यो में तैयारियों पर रोक

पेरिस विश्व कप के बाद तीरंदाजों को पांच जुलाई को टोक्यो के पास स्थित कोरबेक सिटी ओलंपिक की तैयारियों के लिए रवाना होना था। जापान स्थित भारतीय दूतावास और साई ने मिलकर वेटलिफ्टरों और तीरंदाजों की टोक्यो में अलग-अलग स्थानों पर तैयारियों की योजना बनाई थी। लेकिन पहले निप्पॉन स्पोर्ट्स साइंस यूनिवर्सिटी ने मीराबाई चानू को टोक्यो में तैयारियों से रोका।

अब कोरबेक सिटी ने तीरंदाजों की तैयारियों पर भी रोक लगा दी है। हालांकि साई अभी भी प्रयास कर रही है कि किसी तरह मीराबाई और तीरंदाजों को टोक्यो में तैयारियों की अनुमति मिल जाए।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

स्वर्ण पदक से चूके अमित पंघाल और शिव थापा, फाइनल में हारे

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज अमित पंघाल (52 किग्रा) स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में उन्हें रियो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज जोइरोव शाखोबिदीन ने 3-2 से हराया। इस हार के साथ पंघाल को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। पंघाल के बाद शिव थापा (64 किग्रा) को भी फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

असम के इस मुक्केबाज को एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मंगोलिया के बातरसुख चिनजोरिग ने 3-2 से हरा दिया। इसी के साथ थापा को भी सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

जूरी ने पंघाल की हार का रिव्यू ठुकरा दिया

भारत ने एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में गत चैम्पियन अमित पंघाल की 52 किलो वर्ग के फाइनल में हार का रिव्यू मांगा था, जिसे जूरी ने ठुकरा दिया। पंघाल को अब रजत पदक से ही संतोष करना पड़ेगा। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने ट्वीट किया था, 'एएसबीसी फाइनल में अमित पंघाल की अप्रत्याशित हार के खिलाफ अपील करेगा।' महासंघ ने बाद में ट्वीट किया कि भारतीय टीम द्वारा दर्ज किया गया विरोध जूरी ने खारिज कर दिया।

बाउट रिव्यू व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ ने 2019 में शुरू की थी। टीम मैनेजर या हारने वाले मुक्केबाज के मुख्य कोच को फैसले के 15 मिनट बाद तक विरोध दर्ज कराने का मौका दिया जाता है। अगले 30 मिनट में उसे कागजी काम पूरा करना होता है। इस व्यवस्था में 5-0 या 4-1 के फैसले रिव्यू के दायरे में नहीं आते हैं। हर टीम को दो रिव्यू दिए जाते हैं। जूरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। इससे पहले भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी (54 किलो) ने फाइनल में जगह गंवा दी क्योंकि कजाकिस्तान की दीना जोलामैन ने दो बार की युवा विश्व चैम्पियन के खिलाफ अंतिम चार में मिली हार को चुनौती दी थी और वह फैसला बदलने में कामयाब रही।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप: संजीत ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज संजीत (91 किग्रा) ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। फाइनल में संजीत ने पांच बार के एशियन चैंपियन और रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता कजाकिस्तान के मुक्केबाज वासिली लेविट को हराया।

ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी पूजा ने फाइनल में उज्बेकिस्तान की मावुलडा मोवलोनोवा को 5-0 पराजित किया। यह उनका टूर्नामेंट में पहला ही मुकाबला था। उन्हें सेमीफाइनल में वॉकओवर मिला था। मैरीकॉम को कजाखस्तान की नाजिम काइजेबी के हाथों 2-3 से, लालबुतसाई को मिलाना साफरोनोवा से 2-3 से और अनुपमा को लजाट से इसी अंतर से हार झेलनी पड़ी थीं। बता दें कि भारतीय महिलाओं ने टूर्नामेंट एक स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य सहित कुल 10 पदक जीते।

यूरोपीय निशानेबाजी चैंपियनशिप: मनु भाकर और राही सरनोबत ने बनाया एकसमान स्कोर

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक में भारत की पदक उम्मीद निशानेबाज राही सरनोबत और मनु भाकर ने यूरोपीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में 291 का समान स्कोर बनाया। स्पर्धा के न्यूनतम क्वालिफिकेशन स्कोर (एमक्यूएस) वर्ग में सरनोबत और भाकर नियमित और एमक्यूएस निशानेबाजों ने आठवें स्थान पर रहीं। इसमें 55 नियमित टीमों ने भाग लिया। पूर्व विश्व चैंपियन उक्रेन की ओलेना कोस्टेविच 296 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं। रैपिड फायर राउंड अभी खेला जाना है। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन मिश्रित टीम वर्ग में भारत की अंजुम मौदगिल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 19वें स्थान पर रहे।

15 हजार डॉलर का जुर्माना लगा तो नाओमी ओसाका ने टूर्नामेंट से नाम लिया वापस

टोक्यो। दुनिया की दूसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने सभी को चौंकाते हुए फ्रेंच ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। फ्रेंच ओपन के पहले राउंड में जीत दर्ज करने के बाद मीडिया से बात नहीं करने पर ओसाका पर 15,000 डालर (करीब 11 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया है और आगे से ऐसा करने पर कठोर सजा की चेतावनी भी दी गई है।

जापानी टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका का कहना है कि पहले दौर की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं जाने के लिए उन पर 15,000 अमेरिकी डालर का जुर्माना लगने के बाद वह फ्रेंच ओपन से हट रही हैं। उन्होंने कहा कि 'मैं एक सार्वजनिक वक्ता नहीं हूं और दुनिया की मीडिया से बात करने से पहले मुझे काफी घबराहट होने लगती है।'ओसाका ने ट्वीट कर कहा कि, 'सच्चाई ये है कि मैं साल 2018 में हुए यूएस ओपन से ही मानसिक तनाव से लड़ रही हूं, इससे उबरने में मुझे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। पेरिस में मैं पहले से ही असुरक्षित और चिंतित महसूस कर रही थी इसलिए मैंने सोचा कि अपनी भलाई के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस को छोड़ना बेहतर है। मैंने इसकी घोषणा पहले ही कर दी थी क्योंकि मुझे लगता है कि इस नियम के कुछ हिस्से पुराने हैं और मैं इसे उजागर करना चाहती थी। बता दें कि ओसाका ने फ्रेंच ओपन के पहले राउंड में शानदार शुरुआत करते हुए रोमानिया की पैट्रिसिया मारिया टिग को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली थी। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका ने एक घंटे 47 मिनट तक चले मुकाबले में 63वें रैंकिंग की पैट्रिसिया को 6-4, 7-6(4) से हराया।

यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन की गत विजेता ओसाका 2019 के बाद यह टूर्नामेंट में खेल रही थी। पिछले साल चोट के कारण वह फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं ले सकी थीं। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों के नियमों के मुताबिक, मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में अगर कोई खिलाड़ी मीडिया से बात करने से मना करता है तो उन पर 20,000 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

यूरोपियन जीटी4: तकनीकी खराबी ने सर्किट पॉल रिकॉर्ड में रेसर अखिल रबिन्द्र का खेल बिगाड़ा

बेंगलुरू। यूरोपियन जीटी4 चैंपियनशिप 2021 में सर्किट पॉल रिकॉर्ड पर हुई रेस के पहले दौर में अखिल रबिन्द्र का प्रदर्शन, गाड़ी में आयी तकनीकी खराबी के दौरान बाधित हुआ। बेंगलुरु के 24 साल के रेसर अखिल, जो कि यूरोपियन जीटी4 चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाले इकलौते भारतीय हैं, उन्होंने सिल्वर कैटेगरी में 16वां स्थान हासिल किया।

ह्यूगो कोंडे और अखिल की जोड़ी को इंजन की समस्या के कारण रेस-1 में 16 लैप के बाद रिटायर होना पड़ा। इसके बाद AGS इवेंट्स रेसिंग टीम के लिए एस्टन मार्टिन वैंटेज जीटी4 चला रहे अखिल ने रेस-2 में ड्राइवर सीट संभाली। अखिल इकलौते एशियाई भी हैं, जिन्होंने 2021 में प्रतिष्ठित एस्टन मार्टिन रेसिंग ड्राइवर अकेडमी में जगह बनाने में सफलता हासिल की। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो उन्होंने लगातार तीसरे वर्ष हासिल की है।

क्वॉलिफाइंग रेस में 14वें स्थान (P-14) पर क्वॉलिफाई करने के बाद अखिल और ह्यूगो को रेस-1 में खराब इंजन के कारण रिटायर होना पड़ा था। रेस में उन्हें 38:29.167 मिनट में 16 लैप पूरा करते हुए देखा गया था। इसके बाद अखिल ने रेस-2 में स्टीयरिंग संभाली और शानदार प्रदर्शन करते हुए 15वें स्थान के साथ सिल्वर कैटेगरी में रेस को पूरा किया। वे 41 कारों की ग्रिड में ओवरऑल 29वें स्थान पर रहे। अखिल ने सर्किट पॉल रिकार्ड में हुए रेस-2 में 1:01:40.275 मिनट का समय निकाला। अखिल ने कहा कि हमारे लिए परफॉर्मेंस सुधारने के लिए कई अवसर हैं और हम आगे इस पर काम करेंगे। मैंने व्यक्तिगत रूप से बहुत कुछ समझ और परख लिया है।

फ्रेंच ओपन 2021: चैंपियन इगा ने जीत से मनाया 20वां जन्मदिन

पेरिस। मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वितेक ने अपने 20वें जन्मदिन का जश्न जीत के साथ मनाया। 20 वर्ष की हुईं पोलैंड की इगा ने रोलां गैरां के अपने पहले मुकाबले में अपनी सबसे करीबी दोस्त स्लोवेनिया की काजा जुवान को 90 मिनट में 6-0, 7-5 से पराजित कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। इगा की यह लाल बजरी पर लगातार आठवीं और कुल 12 मुकाबलों में 11वीं जीत है। वह पिछली बार बिना कोई सेट गंवाए चैंपियन बनी थी। अब इगा का सामना स्वीडन की रेबेका पीटरसन से होगा, जिन्होंने अमेरिका की शैब्ली रोजर्स को 6-7, 7-6, 6-2 से बाहर का रास्ता दिखाया। इगा अगर ट्रॉफी बरकार रखने में सफल रहती हैं तो वह पिछले 14 वर्षों में पेरिस में ऐसा करने वाली पहली महिला बनेंगी। बेल्जियम की किम क्लिस्टर्स ने 2007 में ऐसा किया था।

20 वर्ष की हुईं पोलैंड की इगा ने रोलां गैरां के अपने पहले मुकाबले में अपनी सबसे करीबी दोस्त स्लोवेनिया की काजा जुवान को 90 मिनट में 6-0, 7-5 से पराजित कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

उन्होंने 2005, 06 और 07 में यहां खिताबी हैट्रिक पूरी की थी। उसके बाद कोई भी महिला लगातार तीन तो क्या दो बार भी खिताब नहीं जीत पाई हैं। वही ग्रैंड स्लैम में किसी महिला ने पिछले पांच वर्षों से एक ट्रॉफी लगातार दो बार नहीं जीती है। दिग्गज सेरेना विलियम्स ने 2015 और 16 में लगातार दो बार विंबलडन चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। अब इगा की निगाह इस विशेष क्लब में शामिल होने की है।

बियांका और कोंटा हारीं : दुनिया की नंबर छह खिलाड़ी बियांका एंद्रेस्कू टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली वरीय खिलाड़ी बन गईं। वर्ष 2019 की यूएस ओपन चैंपियन कनाडा की बियांका को पहले दौर में स्लोवेनिया की तमारा जिदनसेक के हाथों 7-6, 6-7, 7-9 से हार मिली। ब्रिटेन की योहाना कोंटा भी सोराना के हाथों 6-7, 2-6 से हराकर बाहर हो गईं। किकी बर्टेंस को पोलोना हर्कोज से 1-6, 6-3, 4-6 से हार मिली।

कीज व गार्सिया जीतीं: मेडिसन कीज, कैरालिन गार्सिया और कजाखस्तान की जरीना दियास ने जीत के साथ आगाज किया। कीज ने फ्रांस की ओसीन डोडिन को 6-3, 3-6, 6-1 से, गार्सिया ने लॉरा सिगमुंड को 6-3, 6-1 से, एलिस मर्टेंस ने स्ट्रोम सैंडर्स को 6-4, 6-1 से, दियास ने हीथर वॉटसन को 6-4,7-5 से, मेडिसन ब्रेंगेल ने मारिया कैमिला ओसोरियो सेरानो 7-5, 6-4 से, हरमोनी टन ने एलिजे कॉनेट को 6-4, 6-4 से, हैली ने अन्ना बलिंकोवा 6-1, 6-4 से और मार्केटा ने कानेपी को 4-6, 6-3, 6-0 से शिकस्त देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

फेडरर का जीत से आगाज : रिकॉर्ड 21वें ग्रैंड स्लैम के लिए खेल रहे रोजर फेडरर ने उज्बेकिस्तान के डेनिस इस्तोमिन को 6-2, 6-4,6-3 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। दुनिया के आठवें नंबर खिलाड़ी दो साल बाद रोलां गैरां में खेल रहे हैं। वर्ष 2009 के चैंपियन फेडरर की यह पेरिस में 88 मैचों में 71वीं जीत हैं। 39 वर्षीय फेडरर मौजूदा टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी हैं। फेडरर की यह इस सत्र के चार मुकाबलों में दूसरी जीत है। फेडरर की यह ग्रैंड स्लैम में किसी क्वालिफायर खिलाड़ी पर 30 मैचों में 29वीं जीत है। उन्होंने एकमात्र हार पिछले साल विंबलडन के पहले दौर में मारियो से मिली थी।